RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 273 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 04-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत टी20 विश्व कप के लिए सही राह पर है : मजूमदार

6 घोर लापरवाही बदइंतजामी के बीच जान गंवाते पर्यटक

7 वर्क-लाइफ बैलेंस जेंगा जैसा, थोड़ा सा बदलाव सब बिगाड़ देता है : अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने हथियारों की तस्करी से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से सात अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर के महिंद्रा कॉलोनी निवासी समरबीर सिंह उर्फ सिमर (21), तरनतारन के गांव फतेहपुर के मूल निवासी और वर्तमान में अमृतसर के कृष्णा नगर में रह रहे सतनाम सिंह उर्फ सत्ता (23), प्रताप नगर निवासी तनुप्रीत सिंह (26) और कृष्णा नगर निवासी करणजोत सिंह उर्फ साजन (26) के रूप में हुई है।

महिला निदेशक को बंधक बनाकर 1.89 करोड़ की लूट, छह गिरफ्तार

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस की अपराध शाखा ने एक आईएएस कोचिंग संस्थान की निदेशक से कथित तौर पर 1.89 करोड़ रुपये की लूट और उन्हें दो दिनों तक बंधक बनाकर रखने के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार आरोपियों ने दिल्ली स्थित एक आईएएस अकादमी की निदेशक शुभ्रा रंजन को बुधवार को भोपाल यह कहकर बुलाया कि यहां एक नया केंद्र खोला जाएगा और एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा। बयान में कहा गया, आरोपियों ने शुभ्रा रंजन को किराये के एक मकान में बुलाया, हथियारबंद साथियों की मदद से बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी देकर विभिन्न बैंक खातों में 1.89 करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से दशकों से आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा ''एकतरफा कृत्रिम विस्तार'' अस्वीकार्य है। नेपाल ने रविवार को भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर आपत्ति जताई और दावा किया कि यह उसका क्षेत्र है। नेपाल ने कहा कि तीर्थयात्रा के मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले उससे परामर्श नहीं किया गया। नेपाल की इस आपत्ति के बाद भारत की कड़ी प्रतिक्रिया आई है।

04-05-2026 सूर्यास्त 6:35 बजे	05-05-2026 सूर्योदय 5:57 बजे
BSE 76,913.50 (-582.86)	NSE 23,997.55 (-180.10)
सोना 15,541 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 256,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता जो सिकंदर

परिवर्तित परिणाम हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र में चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले पर,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना आज

■ पश्चिम बंगाल में किसका होगा राज, तमिलनाडु में क्या फिर उगेगा 'सूरज'

■ कर्नाटक के बागलकोट और दावणगेरे में क्या होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान रोमांचक मुकाबले के बाद सोमवार को मतों की गिनती होगी। मतगणना के परिणाम तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) जैसे प्रमुख सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और वाम के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। मतगणना प्रक्रिया सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों के साथ शुरू होगी, जिसके लिए तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था वाले मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने मतगणना केंद्रों में अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए पहली बार ईसीआईएनईटी के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली शुरू की है।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में 293 विधानसभा सीट के लिए 77 केंद्रों पर मतों की गिनती की जाएगी, जहां इस बार अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतगणना दिवस से पहले राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों ने वोट में हेरफेर की आशंका व्यक्त की है। राज्य में दो चरणों का चुनाव 29 अप्रैल को समाप्त हुआ, जिसमें स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक 92.47 प्रतिशत मतदान हुआ।

असम

भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहा है। राज्य की 126 विधानसभा सीट से 722 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य को समेटे हुए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), 35 जिलों के 40 मतगणना केंद्रों पर खोली जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि मतगणना केंद्रों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वाले स्ट्रांगरूम की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की पच्चीस कंपनियों (प्रत्येक में लगभग 100 जवान) को तैनात किया गया है। राज्य में मतदान 9 अप्रैल को हुआ था, जिसमें 85.96 प्रतिशत मतदान हुआ था।

केरल

केरल में, 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में अपने प्रदर्शन से उत्साहित कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ), दो कार्यकालों से सत्ता में रहे वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) को सत्ता से बाहर करने की उम्मीद कर रहा है। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला राजग द्विध्रुवीय राजनीति वाले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। एलडीएफ की हार के साथ 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा कि वामपंथी दल किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं होंगे। राज्य में 140 सीट के लिए कुल 883 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 43 स्थानों पर 140 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में चुनाव लड़ रही है, जहां उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के अलावा, अभिनेता एवं नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और सीमान की एनटीके जैसी नयी पार्टियां भी मैदान में हैं। द्रमुक राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने बताया कि राज्य भर में 62 निर्धारित मतगणना केंद्रों पर 4 मई को होने वाली मतगणना के लिए एक व्यापक त्रिस्तरीय सुरक्षा योजना सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

पुडुचेरी

पुडुचेरी में केंद्र शासित प्रदेश में छह मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी), भाजपा, अन्नाद्रमुक और एलजेके से मिलकर बने राजग को कांग्रेस, द्रमुक और वीसीके से मिलकर बने 'इंडि' गठबंधन से चुनौती मिल रही है।

उपचुनाव

गोवा, कर्नाटक, नगालैंड, गुजरात और महाराष्ट्र की आठ सीट पर भी मतगणना होगी, जहां मौजूदा विधायकों के निधन के बाद पिछले महीने उपचुनाव हुए थे। आठ निर्वाचन क्षेत्र गोवा में पोंडा, कर्नाटक में बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण, नगालैंड में कोरीडांग, त्रिपुरा में धर्मनगर, गुजरात में उमरेठ और महाराष्ट्र में राहुरी और बारामती हैं।

आपदा से निपटने में 'सेल ब्रॉडकास्ट' तकनीक जरूरी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'सेल ब्रॉडकास्ट' और 'सीएपी' जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने से आपदा से निपटने की तैयारी में काफी मजबूती आएगी और आपात स्थिति में प्रत्येक नागरिक तक समय पर और प्रभावी ढंग से सूचना पहुंचाई जा सकेगी।

सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, शाह ने सेल ब्रॉडकास्ट चेतावनी प्रणाली की शुरुआत होने पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही, जो नागरिकों को उनके क्षेत्रों में आपात स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में चेतावनी देगी।

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को 'सेल ब्रॉडकास्ट' चेतावनी प्रणाली की शुरुआत की। यह प्रणाली आपात स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों को उनके क्षेत्र में तुरंत सतर्क करने के लिए विकसित की गई है।

बयान में शाह के हवाले से कहा गया, ''सेल ब्रॉडकास्ट और सीएपी जैसी उन्नत संचार प्रौद्योगिकियों को अपनाने से आपदा की तैयारी में काफी मजबूती आएगी, शासन व्यवस्था में सुधार होगा और प्रत्येक नागरिक तक समय पर और प्रभावी ढंग से सूचना पहुंचाई जा सकेगी।''

'कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल' (सीएपी) एक आपदा प्रबंधन प्रणाली है। इसका उपयोग मोबाइल फोन के माध्यम से आपातकालीन अलर्ट भेजने में किया जाता है।

तस्कर और आतंकियों का गठजोड़ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती : सिन्हा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि ''पड़ोसी'' शत्रु ने केंद्र शासित प्रदेश में गली-नुक्कड़ों तक मादक पदार्थों का कारोबार फैला दिया है और यहां के युवाओं को निशाना बनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और सुरक्षा बल खतरनाक दुश्मन के मंसूबों को नाकाम कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मादक पदार्थों के तस्करों और आतंकवादियों के बीच का गठजोड़ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक चुनौती बन गया है।

श्रीनगर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ पदयात्रा का नेतृत्व करने वाले सिन्हा ने कहा, नार्को-आतंकियों ने हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति, हमारे युवाओं को निशाना बनाया है। हम एक खतरनाक दुश्मन (पाकिस्तान) का सामना कर रहे हैं, जिसने दुनिया में आतंकवाद को जन्म दिया है। 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर' के लिए पदयात्रा में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि प्रशासन ने इस केंद्रशासित प्रदेश में मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध की घोषणा की है और यह युवाओं को मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचाएगा।

ईरान ने 30 दिन के भीतर युद्ध समाप्त करने का प्रस्ताव दिया, ट्रंप को इसपर संदेह

दुबई/एपी। ईरान ने अमेरिका को भेजे नवीनतम प्रस्ताव में दोनों देशों के बीच गतिरोध के लिए जिम्मेदार मुद्दों को 30 दिनों के भीतर सुलझाने का आह्वान किया है। उसने कहा कि इसका उद्देश्य युद्धविराम को बढ़ाने के बजाय युद्ध को समाप्त करना है। ईरानी सरकार से जुड़ी मीडिया ने यह खबर दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के एक नए प्रस्ताव पर मंथन कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने ईरान के साथ कोई समझौता होने की संभावना पर संदेह भी जताया।

ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों से घनिष्ठ संबंध रखने वाली अर्ध-सरकारी 'नूर न्यूज एजेंसी'ने खबर दी कि खाड़ी देश की ओर से भेजे गए 14 सूत्री प्रस्ताव में युद्धविराम की अवधि बढ़ाने के बजाय युद्ध को समाप्त का आह्वान किया गया है।

कनाडा ने खालिस्तानी चरमपंथियों को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' घोषित किया

ओटावा/भाषा। कनाडा की खुफिया एजेंसी ने खालिस्तानी चरमपंथियों को ''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा'' घोषित किया है और कहा है कि यह समूह देश में अपने ''हिंसक चरमपंथी एजेंडे'' को बढ़ावा देने के लिए संस्थानों का इस्तेमाल करता है। देश की खुफिया एजेंसी 'कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस' ने 2025 की अपनी रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों की हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता ''कनाडा और कनाडाई हितों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा बनी हुई है।'' कनाडा सरकार की वेबसाइट पर शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''कुछ खालिस्तानी चरमपंथी कनाडाई नागरिकों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं, जो अपने हिंसक चरमपंथी एजेंडे को बढ़ावा देने और भोले-भाले समुदाय के सदस्यों से धन इकट्ठा करने के लिए कनाडाई संस्थानों का लाभ उठाते हैं, जिसे बाद में हिंसक गतिविधियों की ओर मोड़ दिया जाता है।''

मुख्यमंत्री बने रहेंगे सिद्दरामय्या : रायरेड्डी

नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में मल्लिकार्जुन खरगे को मुख्यमंत्री बनाए जाने की वकालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के प्रमुख सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने रविवार को कहा कि वह (सिद्दरामय्या) अपने पद पर बने रहेंगे, लेकिन उनका विचार है कि यदि नेतृत्व परिवर्तन होता है तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार रायरेड्डी ने खरगे से कहा कि नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में सिद्दरामय्या की जगह उन्हें लेनी चाहिए।

ये बयान ऐसे समय में आये हैं जब कांग्रेस और राजनीतिक हलकों में चार मई के बाद नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर अटकलें चल रही है।

रायरेड्डी ने कहा, ''पिछले हफ्ते मेरी मुलाकात खरगे से हुई और मैंने उनसे करीब 30 मिनट तक राजनीति, खासकर पार्टी और राज्य के प्रशासनिक मामलों पर चर्चा की। मैंने उनसे कहा कि अगर पार्टी को दोबारा सत्ता में आना है तो पार्टी को लेकर फैली मौजूदा अनिश्चितता को खत्म करना होगा।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैंने उनसे कहा कि सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री रहना चाहिए और अगर उन्हें हटाना ही है तो विधायकों की राय लेनी चाहिए। मैंने उन्हें स्पष्ट कर दिया कि मेरी निजी राय में, अगर किसी को सिद्दरामय्या की बराबरी करनी है तो मल्लिकार्जुन खरगे को मुख्यमंत्री बनना चाहिए, अगर नहीं तो सिद्दरामय्या को ही पद पर बने रहना चाहिए।''

■ कहा जा रहा है कि जब चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव तथा कर्नाटक में दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के परिणाम चार मई को घोषित हो जाएंगे तो राज्य में नेतृत्व परिवर्तन एवं मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है।

रायरेड्डी ने कहा कि अगर कोई बदलाव होना है तो यह देखना होगा कि वरिष्ठता क्रम में सिद्दरामय्या की जगह कौन ले सकता है, ऐसे में 'वरिष्ठता के मामले में, खरगे मौजूद हैं और उनके प्रति (लोगों का) स्नेह भी है।''

तेज गेंदबाजों के कमाल के बाद सुदर्शन के अर्धशतक से

टाइटंस ने पंजाब किंग्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। जेसन होल्डर (चार ओवर में 24 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल के प्रदर्शन के बाद साई सुदर्शन (57) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 40) की शानदार बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 के एक मैच में रविवार को यहां तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स को चार विकेट से शिकस्त दी।

पंजाब किंग्स के लिए सूर्यांश शेडगे ने 57 रनों की उत्कृष्ट पारी खेली, लेकिन होल्डर के साथ कागिसो रबाडा (22 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (28 रन पर दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के सामने टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटंस ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 167 रन बनाकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत की।

टाइटंस ने इसके साथ ही इस सत्र में पंजाब किंग्स से 31 मार्च को मिली तीन विकेट की शिकस्त का बदला भी चुकता कर लिया। इस हार के बावजूद पंजाब किंग्स नौ मैचों में 13 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है, वहीं टाइटंस 10 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है।

मौजूदा सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ने वाले सुदर्शन ने जोस बटलर (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करने के बाद निशांत सिंधू (15) के साथ 20 गेंदों में 25 और सुंदर के साथ चौथे विकेट के लिए 20 गेंदों में 30 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी।

सुदर्शन ने 41 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा, जबकि सुंदर ने 23 गेंदों की नाबाद पारी में इतने ही चौके और एक छक्का लगाया।

पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और विजयकुमार वैशाख ने दो-दो, जबकि मार्को यानसन और स्टोइनिस ने एक-एक विकेट चटकाए। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 8.4 ओवर में 47 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। शेडगे ने इसके बाद मार्कस स्टोइनिस (40) के साथ छठे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

पुणे में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या के मामले में सरकार मृत्युदंड की मांग करेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को आश्वासन दिया कि सरकार पुणे में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या के मामले के आरोपी के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न्याय सुनिश्चित करने के लिए मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाएगी।

पुणे जिले की भोर तहसील में एक मई को एक बच्ची की यौन उत्पीड़न के बाद हत्या कर दी गई थी और पुलिस ने आपराधिक रिकॉर्ड रखने वाले 65 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना से भोर क्षेत्र में व्यापक आक्रोश फैल गया और सैकड़ों ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

विपक्षी दलों के नेताओं ने भी इस घटना की कड़ी आलोचना की और राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि उन्होंने बच्ची के परिवार से बात की और उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, मैंने बच्ची के पिता से दो बार बात की और उन्हें बताया कि हम आरोपियों को मौत की सजा दिलाने के लिए काम करेंगे। तदनुसार, हम मामले की सुनवाई में तेजी लाएंगे और इसे रिकॉर्ड समय में पूरा करेंगे। फडणवीस ने कहा कि जघन्य अपराधों के मामलों में भले ही लोगों को आरोपियों को सरेआम फांसी देने का मन करता हो लेकिन कानून के तहत ऐसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच सही तरीके से पूरी की जाएगी ताकि बाद में दुरुपयोग के लिए कोई खामी न रह जाए और राज्य सरकार आरोपी को मृत्युदंड दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पीड़ित परिवार को पत्र लिखकर उन्हें समर्थन का आश्वासन भी दिया है।

पूर्वी दिल्ली में आवासीय इमारत में आग लगने से नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लगने से एक बच्चे समेत दो परिवारों के कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि विवेक विहार फेज-1 में चार मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना तड़के करीब तीन बजकर 48 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस, दमकल और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे। आग ने इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित कई फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद अफरा-तफरी के बीच बचाव के लिए प्रयास शुरू किए गए। छत का दरवाजा बंद होने के कारण इमारत में फंसे लोगों के लिए आग से बचकर निकलना मुश्किल हो गया।

आग बुझाने के लिए दमकल की कुल 12 गाड़ियां भेजी गईं तथा दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस के दलों ने बचाव और निकासी प्रयासों में सहायता की। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि अलग-अलग मंजिलों से नौ शव बरामद किए गए। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, ''एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव सीढ़ियों से बरामद किए गए। सीढ़ियों वाले हिस्से में ताला लगा मिला।''

दूसरी मंजिल पर मृत पाए गए लोगों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनिता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और पोते आकाश जैन के रूप में हुई है। तीसरी मंजिल पर एक परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। उनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। पहली मंजिल पर शिखा जैन (45) नाम की महिला मृत पाई गईं, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''आग बुझाने के अभियान के दौरान परिसर से करीब 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया।'' आग ने इमारत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और घने धुएं का गुबार इलाके में फैल गया, जिससे दृश्यता कम हो गई। दमकलकर्मियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक चली मशक्कत के दौरान इमारत के भीतर फंसे लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं।

स्वतंत्र पत्रकारिता को दंडित और सरकार के अनुरूप चलने वालों को पुरस्कृत किया जा रहा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस की स्वतंत्रता के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उनका संदेश स्पष्ट है कि स्वतंत्र पत्रकारिता को दंडित किया जाएगा और सरकार के हिसाब से चलने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा।

खरगे ने आरोप लगाया कि मीडिया के एक वर्ग को सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान की बात दोहराने तक सीमित कर दिया गया है, जबकि सवाल पूछना जारी रखने वालों को ''लगातार निशाना'' बनाया जा रहा है। खरगे ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की स्थिति 2014 से लगातार गिरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ परिवार ने समाचार कक्षों को चुप कराने के लिए कानूनी ढांचों का ''हथियार'' के रूप में तेजी से इस्तेमाल किया है। खरगे ने कहा कि देश को इस कठोर और निर्विवाद वास्तविकता का सामना करना होगा कि भाजपा के शासन में 2014 से विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की स्थिति लगातार गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर कहा, ''सही अर्थ में स्वतंत्र प्रेस का काम सरकार की बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना या उसकी नाकामियों को छिपाना नहीं होता। उसका काम सत्ता से सवाल करना, सत्ता की पड़ताल करना और पद पर बैठे लोगों को जवाबदेह ठहराना है।'' खरगे ने कहा कि मीडिया सत्ता और लोगों के बीच लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखता है। उन्होंने कहा, ''पत्रकार सार्वजनिक सत्य के संरक्षक होते हैं। पंडित नेहरू ने कहा था, 'प्रेस की स्वतंत्रता केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक आवश्यक गुण है।' मौजूदा शासन में यह आवश्यक गुण गंभीर रूप से कमजोर हुआ है।'' खरगे ने कहा, ''संघ परिवार ने समाचार कक्षों को चुप कराने के लिए कानूनी ढांचों को हथियार के रूप में तेजी से इस्तेमाल किया है। मानहानि कानूनों, राष्ट्रीय सुरक्षा प्रावधानों और व्यापक आपराधिक कानूनों का इस्तेमाल न्याय के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि डराने-धमकाने के औजार के रूप में किया जा रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि 2014 से 2020 के बीच 135 से अधिक पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया, हिरासत में लिया गया या उनसे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि 2014 से 2023 के बीच 36 पत्रकारों को जेल में डाला गया।

मुंबई हवाई अड्डे पर 1.79 करोड़ रुपए मूल्य का सोना और अन्य सामान जब्त

मुंबई/भाषा। सीमा शुल्क विभाग ने दुबई से यहां छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डा पहुंचे यात्रियों से 1.79 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन, सिगरेट और अपरिष्कृत सोना जब्त किया है। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने कहा कि यह अभियान सीमा शुल्क हवाई अड्डा आयुक्तालय द्वारा 1 और 2 मई के बीच चलाया गया था। उन्होंने कहा, ''मौके पर ही दो यात्रियों की पहचान कर उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। इनमें से एक यात्री एमिरेट्स की उड़ान से आया था और उसके पास इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन और सिगरेट जैसी 84.37 लाख रुपए मूल्य की तस्करी की वस्तुएं थीं। एक अन्य मामले में, विस्तृत तलाशी के बाद विमान के दोनों पिछले शौचालयों के कमोड से भूरे टेप में लिपटे आठ पैकेट बरामद किए गए।''

पंजाब में प्राथमिकी को लेकर सियासी घमासान, भाजपा ने आप सरकार पर लगाया बदले की कार्रवाई का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकी को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी इन प्राथमिकी से डरने वाली नहीं है और इसे मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित आचरण से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया।

जाखड़ ने आरोप लगाया कि ये प्राथमिकी राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा हैं और इसका उद्देश्य मुख्यमंत्री भगवंत मान के शुक्रवार को विधानसभा में कथित रूप से नशे की हालत में पहुंचने के मुद्दे से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा, उन्होंने (मान) भले ही विश्वास मत हासिल कर लिया हो, लेकिन उनके पास अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। पंजाब पुलिस ने हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संदीप पाठक और उनके छह साथियों के खिलाफ शनिवार को दो प्राथमिकी दर्ज की थी। इससे पहले, कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री और सभी आप विधायकों के अल्कोमीटर और डोप टेस्ट की मांग की थी।

हालांकि, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें झूठा और आधारहीन बताया था।

भाजपा नेता जाखड़ ने कहा कि पार्टी रविवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के आचरण और संदीप पाठक के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के मुद्दे को उठाएगी।

आरटीआई अधिनियम के तहत पति या पत्नी की आय का विवरण नहीं मांगा जा सकता : दिल्ली उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा है कि कोई व्यक्ति सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत आवेदन दाखिल करके अधिकारियों से अपने पति या पत्नी की आय का विवरण प्राप्त नहीं कर सकता।

उच्च न्यायालय ने यह फैसला तब दिया जब एक महिला ने दावा किया कि भरण-पोषण के उसके दावे के उचित निपटारे के लिए यह जानकारी आवश्यक है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि सार्वजनिक हित से संबंधित न होने पर व्यक्तिगत जानकारी को अधिनियम की धारा 8 (1) (जे) के तहत प्रकटीकरण से छूट दी गई है और उच्चतम न्यायालय के अनुसार, किसी व्यक्ति का आयकर रिटर्न उस श्रेणी में आता है। अदालत महिला के पति की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने केंद्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें आयकर अधिकारियों को उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा दायर आरटीआई आवेदन पर वित्त वर्ष 2007-2008 के लिए उसकी अगली कर योग्य आय का विवरण प्रकट करने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने सीआईसी द्वारा 2021 में पारित आदेश को ''कानूनी रूप से अस्थिर'' बताते हुए 28 अप्रैल को दिए अपने फैसले में कहा कि पत्नी द्वारा मांगी गई जानकारी निस्संदेह याचिकाकर्ता की 'व्यक्तिगत जानकारी' थी, जिसे प्रकट करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता क्योंकि यह ''व्यापक जनहित'' के अपवाद के अंतर्गत नहीं आती। पत्नी ने तर्क दिया कि आरटीआई अधिनियम के तहत याचिकाकर्ता के आय विवरण का खुलासा उसके भरण-पोषण के दावे के उचित निपटारे के लिए आवश्यक है।

टीटीडी ने अनिवार्य जांच के बिना 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी खरीदा : जांच आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय आयोग ने शनिवार को खुलासा किया कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने में इस्तेमाल के लिए 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद अनिवार्य गुणवत्ता जांच के बिना की थी। आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में दावा किया गया कि इस प्रणालीगत विफलता के कारण आपूर्तिकर्ताओं को मिलावटी घी उपलब्ध कराने का मौका मिला, क्योंकि अधिकारियों ने कथित तौर पर गुणवत्ता की अनदेखी की और वनस्पति वसा की उपस्थिति की पुष्टि करने वाली प्रयोगशाला रिपोर्ट को दबा दिया। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त एसआईटी की रिपोर्ट के बाद, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने टीटीडी को कथित तौर पर मिलावटी घी की आपूर्ति की जांच के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग गठित किया था।

रिपोर्ट में व्यवस्थागत प्रशासनिक विफलताओं को मूल कारण बताया गया है, विशेष रूप से निविदा नियमों का पालन करने में। इसमें बताया गया है कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय धीरे-धीरे कमजोर होते गए। आयोग ने यह भी पाया कि खरीद समिति के सदस्यों ने कथित तौर पर पूरी समिति या संयोजक की सहमति के बिना निविदा मानदंडों में ढील दी, बोली के बाद कीमतों में कमी की अनुमति दी और घी की खरीद के लिए बिना जांच-पड़ताल के असामान्य रूप से कम बोलियों को स्वीकार किया।

मीरपेट में अधेड़ व्यक्ति को कार के बोनट पर घसीटा गया, मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में वाहन मोड़ने को लेकर हुए विवाद के बाद अधेड़ उम्र के एक व्यक्ति को करीब दो किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीटा गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक मई की रात को हुई इस घटना के वीडियो में एक व्यक्ति चलती गाड़ी के बोनट को पकड़े हुए दिखाई दे रहा है।

पुलिस के अनुसार, वह व्यक्ति और उसका बेटा दोपहिया वाहन पर यात्रा कर रहे थे, जबकि एक कार भी उसी दिशा में चल रही थी। दोपहिया वाहन उसका बेटा चला रहा था। बाइक सवार ने लगभग 500 मीटर आगे होने वाले यू-टर्न के लिए पहले ही संकेत दिया, तभी कार चालक ने उससे सवाल किया कि वह इतनी जल्दी संकेत क्यों दे रहा है। इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसके बाद कार चालक ने कथित तौर पर बाइक चालक के बाल पकड़ लिए।

सीबीडीसी आधारित राशन योजना को और राज्यों में बढ़ाने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित खाद्य सब्सिडी कार्यक्रम का विस्तार जून तक चंडीगढ़, दादरा एवं नागर हवेली तथा दमन और दीव तक करने की योजना बना रही है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह योजना फिलहाल गुजरात और पुडुचेरी में प्रायोगिक आधार पर लागू है।

इस योजना के तहत लाभार्थियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिलने वाला खाद्यान्न अब भौतिक रूप में लेने के बजाय 'डिजिटल टोकन' के रूप में प्रदान किया जाता है। यह टोकन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) व्यवस्था के माध्यम से जारी किए गए एक डिजिटल वॉलेट में जमा रहता है। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया तो इस पहल से सब्सिडी में लगभग चार से पांच प्रतिशत तक की बचत हो सकती है, साथ ही वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी, लक्षित और कुशल बनेगी। यह खाद्य सब्सिडी वितरण की व्यवस्था में एक क्रांतिकारी सुधार साबित हो सकता है। यह कदम मौजूदा वितरण प्रणाली की एक लंबे समय से चली आ रही कमी को दूर करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है, जिसमें अक्सर लाभार्थियों को महीने के अंत में राशन दुकान पर पहुंचने पर भंडार की कमी का सामना करना पड़ता है या उन्हें उनका पूरा हक नहीं मिल पाता, जिससे वे काफी हद तक डीलर पर निर्भर हो जाते हैं और उनके पास विकल्प सीमित रहते हैं।

केंद्र ने आरबीएसके का दायरा बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के दायरे को बढ़ाते हुए कार्यक्रम के संशोधित दिशानिर्देशों के तहत मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों और मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) के जोखिम कारकों की जांच को भी शामिल किया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में संपन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में अच्छी प्रथाओं और नवाचारों पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान आरबीएसके 2.0 दिशानिर्देश जारी किए, जो प्रमुख बाल स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम में एक बड़ा बदलाव है।

एक दशक से अधिक के क्रियान्वयन के आधार पर, अद्यतन ढांचा कार्यक्रम के स्थापित दृष्टिकोण – जन्मजात दोष, रोग, कमियां और विकासात्मक देरी – को व्यापक बनाता है। साथ ही व्यवहार संबंधी विकार, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और जीवनशैली से संबंधित बीमारियों सहित उभरती हुई बाल स्वास्थ्य चिंताओं को भी शामिल करता है। संशोधित दिशा-निर्देशों में जन्म से लेकर 18 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए देखभाल की एक व्यापक निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक श्रृंखला शुरू की गई है, जिसमें डिजिटलीकरण और देखभाल की निरंतरता पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, उन्नत जांच ढांचे का उद्देश्य बच्चों और किशोरों को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए शीघ्र पहचान और समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम के तहत जांच सेवाएं सचल स्वास्थ्य दलों के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में जारी रहेंगी, ताकि व्यापक पहुंच और सार्वभौमिक कवरेज सुनिश्चित किया जा सके।

मंत्रालय ने कहा कि नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य समुदाय स्तर पर की गई जांच से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच और इलाज तक जाने की प्रक्रिया को और मजबूत बनाना है। इसके लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली बनायी जाएगी, जिससे मरीज बीच में इलाज छोड़कर न जाएं और उन्हें समय-समय पर आगे की देखभाल मिलती रहे। सरकार के डिजिटल स्वास्थ्य अभियान के तहत आरबीएसके 2.0 में डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड, वास्तविक समय का डेटा प्रणाली और एकीकृत मंच शामिल किए गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में बस पलटने से 24 लोग घायल

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रविवार को चालक के सीने में दर्द के कारण वाहन पर से नियंत्रण खो देने के बाद एक निजी बस पलट गई, जिसमें कम से कम 24 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घायलों में चालक भी शामिल है। यह दुर्घटना नूरपुर उपमंडल में पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूर्वाह्न लगभग 11 बजे हुई, जब बस चंबा से ऊना जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चालक के सीने में अचानक दर्द हुआ, जिसके कारण उसने बस पर से नियंत्रण खो दिया। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को बचाने में मदद की। पुलिस ने बताया कि चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें कांगड़ा स्थित टांडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि 20 लोगों का इलाज नूरपुर सिविल अस्पताल में हो रहा है। विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है।

छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाला': ईडी ने छापेमारी के दौरान सोने के आभूषण, बुलियन और नकदी जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ में कथित रूप से 2,800 करोड़ रुपए के शराब घोटाले से जुड़ी धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में की गई हालिया छापेमारी के दौरान 53 लाख रुपए की नकद राशि और चार करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण एवं बुलियन जब्त किए गए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। शराब कारोबारियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, व्यवसायियों और कॉरपोरेट इकाइयों के रायपुर, दुर्ग, भिलाई (दुर्ग जिला) और बिलासपुर स्थित परिसरों पर 30 अप्रैल को छापे मारे गए।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि इन इकाइयों पर इस कथित 'घोटाले' से अर्जित अपराध की आय प्राप्त करने, उसे संभालने, कई स्तरों पर घुमाने या छिपाने का संदेह है। एजेंसी ने कहा कि छापेमारी के दौरान 53 लाख रुपए की नकदी और 3.23 किलोग्राम सोने के आभूषण तथा बुलियन जब्त किए गए, जिनकी कीमत 4.86 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, ''आपत्तिजनक'' दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए। केंद्रीय एजेंसी इस मामले में पहले भी कई दौर की छापेमारी कर चुकी है और अब तक 380 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां कुर्क कर चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हुआ। निदेशालय ने आरोप लगाया है कि राज्य के वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक हस्तियों से जुड़े ''आपराधिक'' गिरोह ने छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया था, जिससे राज्य के खजाने को ''भारी नुकसान'' हुआ। एजेंसी ने अपराध से अर्जित आय 2,883 करोड़ रुपए आंकी है। एजेंसी इस मामले में अब तक छह आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है और 81 आरोपियों के नाम दर्ज कर चुकी है।

दिल्ली के न्यायिक अधिकारी ने आत्महत्या की, परिवार ने उत्पीड़न का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी सफदरजंग इलाका स्थित अपने आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। परिवार के सदस्यों ने उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मौत की परिस्थितियों को संदिग्ध बताया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक बयान में बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक की पहचान अमन कुमार शर्मा (30) के रूप में हुई है और ऐसा लगता है कि उन्होंने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। उसने बताया कि अमन के बहनोई शिवम से घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अभी तक किसी भी प्रकार की साजिश का पता नहीं चला है। हालांकि, जांच प्रक्रिया के तहत सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है।'' वहीं, परिवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि शर्मा मानसिक रूप से परेशान थे और कुछ समय पहले उन्होंने उत्पीड़न की शिकायत की थी। मृतक के रिश्तेदार राजेश शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि परिवार को शुक्रवार देर रात सूचना मिली। शर्मा ने कहा, ''मेरा बेटा और मेरी बहू (अमन की बहन) ग्रीन पार्क गए थे। अमन को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।'' अमन के पिता प्रेम शर्मा के पुलिस को दिए गए कथित बयान का हवाला देते हुए राजेश ने कहा कि अमन ने घटना वाली रात करीब 10 बजे अपने पिता को फोन किया और अपनी परेशानी बताई। राजेश ने दावा किया, ''अमन ने अपने पिता से कहा, 'मैं बहुत परेशान हूं और मेरे लिए जीना मुश्किल हो गया है। मुझे दो महीने से प्रताड़ित किया जा रहा है'।'' उन्होंने बताया, ''प्रेम को बताया गया कि अमन का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जो स्वयं एक न्यायिक अधिकारी हैं। अमन की पत्नी की बहन एक आईएएस अधिकारी हैं और जम्मू में तैनात हैं।'' राजेश ने आरोप लगाया कि रात में दंपति के बीच झगड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, ''अमन की पत्नी बहुत गुस्से में थी और चिल्ला रही थी, जबकि अमन रो रहे थे। फिर अचानक से खामोशी छा गई।''

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, शर्मा ने 19 जून 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में कार्यभार संभाला था।

तुंगभद्रा बांध पर नए क्रेस्ट गेट्स का उद्घाटन 15 को : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि तुंगभद्रा बांध के 33 क्रेस्ट गेट्स को बदलने का काम लगभग पूरा हो चुका है, उद्घाटन की तैयारी करने के लिए कहा गया है। तुंगभद्रा बांध के सभी 33 नए गेट्स लगा दिए गए हैं और काम का बस एक छोटा सा हिस्सा बचा है। 7 मई तक इस काम को पूरा करने और 15 मई को उद्घाटन की तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं, उपमुख्यमंत्री जो सिंचाई विभाग के भी प्रभारी हैं, ने तुंगभद्रा बांध पर 33 क्रेस्ट गेट्स लगाने के काम का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा।

उन्होंने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। 7.50 लाख किसानों की आजीविका सुरक्षित हो गई है। जिन लोगों ने हमारी आलोचना की थी, उन्हें आज अपना जवाब मिल गया है। हमने जो फैसला लिया था, उसका फल मिला है। इस कार्यक्रम के लिए चार जिलों के किसानों को आमंत्रित किया जाएगा। अभी बांध में 10.50 टीएमसी पानी है। उन्होनें कहा कि अगर बारिश होती है, तो 2 महीने के अंदर 44 टीएमसी पानी भर जाएगा। अब तक 54 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और यह खर्च दोनों राज्य 64:34 के अनुपात में उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांध प्रशासन में स्वायत्तता दी गई है, और हमने यह सुनिश्चित किया है कि इसमें कोई दखल न हो। 33 गेट्स को लगाना देश के लिए एक मिसाल है। पूरा देश इन गेट्स को लगाने के काम को देख रहा था। जब 19वां क्रेस्ट खराब हो गया था, तो हमने विशेषज्ञों की राय ली और उनकी देखरेख में गेट्स लगाने का काम पूरा किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा, दूसरे प्रोजेक्ट्स की सुरक्षा बेहतर करने के लिए 300 करोड़ रुपये दिए गए हैं। भले ही कहा गया था कि चेन ठीक हैं, फिर भी मैंने उन्हें बदलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समझाते हुए बताया कि यह जिम्मेदारी चेन्नई की एक संस्था को दी गई है। चेन का पहला जत्था जल्द ही आ जाएगा। किसान और आम लोग इस काम से खुश हैं। ये गेट्स अगले 50 सालों तक बिना किसी दिक्कत के काम करेंगे। हमने आलोचकों को चुप करा दिया है। किसानों ने हमारी स्थिति को समझा और अपनी एक फसल की कुर्बानी दी। मैं उनके सहयोग के लिए किसानों को सलाम करता हूँ। उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीतिक आलोचना करते हैं, वे तो बस आदत से ऐसा करते हैं, क्योंकि उन्होंने कभी ऐसा काम किया ही नहीं है। इस काम के ज़रिए, हमने आलोचकों को चुप करा दिया है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या बांध की उँचाई बढ़ाई जाएगी, तो उन्होंने कहा, हम उस मामले को हाथ नहीं लगाएंगे। हम ऐसे तरीके ढूंढ रहे हैं, जिनसे मौजूदा सिस्टम के अंदर जो पानी अभी बर्बाद हो रहा है, उसे बचाया जा सके। जब उनसे ज़्यादा पानी जमा करने के बारे में पूछा गया, यह देखते हुए कि गेट की उँचाई 2 फ़ीट बढ़ा दी गई है, तो उन्होंने कहा, मैं इस तकनीकी मामले पर बोलकर कोई विवाद खड़ा नहीं करूँगा। हमने अपने बांध की सुरक्षा के लिए ज़रूरी फ़ैसले ले लिए हैं।

पत्रकारों ने जब उनसे राज्य में 86,000 पेंडिंग फ़ाइलों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, सीएम ने कैबिनेट में इस पर चर्चा की है और निर्देश दिया है कि उन सभी का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया है कि इसके लिए सरकारी आदेश जारी किए जाएँ। जब उनसे उद्योगों की वजह से बांध के पानी के प्रदूषित होने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम इस पर एक रिपोर्ट मँगवाएँगे और इस मामले को देखेंगे।

'श्रृंगेरी में लोकतंत्र का गला घोंटा गया' : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/होसपेट। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने श्रृंगेरी विधानसभा सीट के हालिया घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश और लोकतंत्र पर एक 'धब्बा' करार दिया है। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि श्रृंगेरी में बड़े पैमाने पर साजिश रची गई है और यह एक 'संगठित अपराध' की तरह है।

रविवार को बेंगलूरु और होस्पेट में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने पूर्व भाजपा विधायक डीएन जीवराज पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा पूर्व विधायक ने कथित तौर पर अधिकारियों के साथ मिलकर सत्ता का गलत इस्तेमाल किया। शिवकुमार के अनुसार, कांग्रेस उम्मीदवार को मिले पोस्टल वोटों को जानबूझकर 'एडिट' या अमान्य करने की साजिश रची गई। उन्होंने दावा किया कि मतगणना के बाद सभी एजेंटों और अधिकारियों ने नतीजों पर साइन कर दिए थे, लेकिन उसके बाद इस तरह का बदलाव करना चौंकाने वाला है।

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी इस अन्याय को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा, हम इस मामले के खिलाफ कोर्ट और कानून के हर दरवाजे पर लड़ेंगे। जयनगर विधानसभा क्षेत्र में भी हमारे साथ ऐसा ही अन्याय हुआ था। श्रृंगेरी मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने अन्य राजनीतिक दलों को भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से जनादेश को बदलने की कोशिश की गई है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि श्रृंगेरी में जो हुआ, वह केवल हार-जीत का मुद्दा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के साथ हुआ एक बड़ा धोखा है। हम आखिरी दम तक कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

बेंगलूरु जेल में कट्टरपंथी बनाने के मामले में लश्कर के सहयोगी को सात साल की सजा : एनआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक और प्रमुख सहयोगी को बेंगलूरु जेल में कट्टरपंथी बनाने के 2023 के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि बेंगलूरु की विशेष अदालत ने विक्रम कुमार उर्फ 'छोटा उस्मान' को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विक्रम इस मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा पाने वाला आठवां आरोपी है।

एनआईए की जांच में पता चला कि आरोपी विक्रम कुमार को बेंगलूरु जेल में बंद रहने के दौरान लश्कर सदस्य टी. नसीर और सह-आरोपी जुनैद अहमद द्वारा कट्टरपंथी बनाया गया और अपने साथ शामिल किया गया था।

विस चुनाव : तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के लिए मतगणना आज

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान रोमांचक मुकाबले के बाद सोमवार को मतों की गिनती होगी। मतगणना के परिणाम तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) जैसे प्रमुख सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और वाम के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। मतगणना प्रक्रिया सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों के साथ शुरू होगी, जिसके लिए तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था वाले मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने मतगणना केंद्रों में अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए पहली बार ईसीआईएनईटी के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली शुरू की है।

केरल में, 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में अपने प्रदर्शन से उत्साहित कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ), दो कार्यकालों से सत्ता में रहे वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) को सत्ता से बाहर करने की उम्मीद कर रहा है। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला राजग द्विध्रुवीय राजनीति वाले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

एलडीएफ की हार के साथ 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा कि वामपंथी दल किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं होंगे। राज्य में 140 सीट के लिए कुल 883 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 43 स्थानों पर 140 मतगणना केंद्र स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्य के लिए 15,464 कर्मियों को तैनात किया गया है, जिनमें 140 रिटर्निंग ऑफिसर, 1,340 अतिरिक्त रिटर्निंग ऑफिसर, 4,208 सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 4,208 मतगणना पर्यवेक्षक और 5,563 मतगणना सहायक शामिल हैं। मतगणना केंद्रों की सुरक्षा के लिए राज्य पुलिस कर्मियों के साथ केंद्रीय बलों की 25 कंपनियां तैनात की गई हैं। भाजपा के नेतृत्व वाला राजग, हालांकि सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है, लेकिन 2021 में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद केरल में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इस चुनाव को महत्वपूर्ण मान रहा है।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में चुनाव लड़ रही है, जहां उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के अलावा, अभिनेता एवं नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और सीमान की एनटीके जैसी नयी पार्टियां भी मैदान में हैं। द्रमुक राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है।

व्यक्ति ने अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु (कर्नाटक)। तुमकुरु जिले में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने दो नाबालिग बेटों की कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना कुनिगल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अलाकेरे गांव में हुई। शिवन्ना तथा उनके छह और 11 वर्ष के दो बेटे आज सुबह अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार, शिवन्ना एक निजी कारखाने में काम करता था और एक गांव के मंदिर में पुजारी भी था।

पुलिस ने बताया कि वह अपनी पत्नी के हेमंत नाम के एक व्यक्ति के साथ कथित अवैध संबंध को लेकर परेशान था।

तुमकुरु के पुलिस अधीक्षक अशोक के. वी. ने बताया कि इस मुद्दे के कारण लगातार घरेलू कलह हो रहा था और पूर्व में स्थानीय समुदाय के सदस्यों को शामिल कर एक परामर्श सत्र आयोजित किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि एक रिश्तेदार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शिवन्ना के खिलाफ अपने बच्चों की हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त उसकी पत्नी काव्या और हेमंत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

बधाई

कर्नाटक के उपमुख्य मंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को बेंगलूरु में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 साध्वी सतीश सैल को उनके पिता और कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल के साथ बधाई दी।

विजयेंद्र ने चित्रदुर्गा 'अभिमानोत्सव' के लिए भरी हुंकार

'येडीयुरप्पा एक व्यक्ति नहीं, शक्ति हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा की लोकप्रियता को लेकर बड़ा बयान दिया है। विजयेंद्र ने कहा कि येडीयुरप्पा महज एक इंसान नहीं, बल्कि एक अजेय 'शक्ति' हैं, जिसका प्रमाण आगामी 9 तारीख को चित्रदुर्गा में आयोजित होने वाले 'अभिमानोत्सव' में देखने को मिलेगा। विजयेन्द्र ने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के गर्व का उत्सव है। लोगों का समंदर गवाही देगा कि येडीयुरप्पा आज भी कर्नाटक की राजनीति के केंद्र में हैं।

तुमकुरु के श्रीक्षेत्र सिद्धगंगा मठ में स्वामीजी से आशीर्वाद लेने और उन्हें कार्यक्रम का निमंत्रण देने के बाद विजयेंद्र ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। राज्य के कोने-कोने से लाखों प्रशंसक और कार्यकर्ता इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। देश-दुनिया के प्रमुख संत और सभी समुदायों के धर्मगुरु इस भव्य आयोजन में शामिल होंगे।

विजयेंद्र ने जोर देकर कहा कि येडीयुरप्पा के प्रति जनता का भरोसा आज भी अटूट है। स्वयं येडीयुरप्पा ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि दूर-दराज से आने वाले प्रशंसकों को खाने-पीने या आवाजाही में कोई असुविधा न हो।

प्रेस वार्ता के दौरान विजयेंद्र ने श्रृंगेरी विधानसभा सीट पर आए अदालती फैसले पर भी खुशी जताई। हाई कोर्ट के आदेश के बाद हुई पुनर्मतगणना में भाजपा उम्मीदवार डी.एन. जीवराज को 56 मतों से विजयी घोषित किया गया है।

विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अधिकारियों पर दबाव डालकर नतीजों को रोकने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि जीवराज को तीन साल तक उनके हक से वंचित रखना अन्याय था। अब जनता के फैसले का सम्मान करते हुए उन्हें विधायक के रूप में काम करने का अवसर मिलना चाहिए।

घरेलू झगड़े के बाद महिला ने दो बच्चों की हत्या करके खुदकुशी करने की कोशिश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगुरु में एक महिला ने अपने दो बच्चों की कथित तौर पर हत्या कर दी और फिर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों में दो लड़के हैं, जिनकी उम्र दो और चार वर्ष थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों उन्हें ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि महिला की हालत गंभीर है।

पुलिस को संदेह है कि मत्तिकेरे इलाके की रहने वाली महिला ने पहले बच्चों को जहर दिया और फिर खुद भी जहर खा लिया। बताया जा रहा है कि शनिवार रात पति से हुए विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह पति को घटना का पता चला, जब उसने पत्नी और बच्चों को बेहोश हालत में पाया। पुलिस ने कहा कि इसके बाद वह पड़ोसियों की मदद से तीनों को अस्पताल ले गया।

पुलिस ने दोनों बच्चों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस ने कहा कि मामले में हत्या और आत्महत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पति से भी पूछताछ की है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड : समंदर की गहराइयों में लहराया भारत का सबसे बड़ा तिरंगा

शरथ आर. अशोक बने ऐतिहासिक उपलब्धि का हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/पोर्ट ब्लेयर। भारत के साहसिक खेलों के इतिहास में 2 मई को एक सुनहरा अध्याय जुड़ गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के स्वराज द्वीप में देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज समुद्र के पानी के नीचे फहराया गया। इस हैरतअंगेज कारनामे को गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

बेंगलूरु के रहने वाले एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल शरथ आर. अशोक इस ऐतिहासिक मिशन का अहम हिस्सा रहे। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के पुत्र शरथ ने अपनी तकनीकी दक्षता और साहस से इस उपलब्धि में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे पूरे राज्य का गौरव बढ़ा है।

यह विशालकाय ध्वज समुद्र के नीचे कुल 2,400 वर्ग मीटर का तिरंगा फहराया गया। इस अभियान में देश भर के 200 से अधिक कुशल स्कूबा गोताखोरों ने भाग लिया।तेज समुद्री धाराओं और पानी के भारी दबाव के बीच इतने बड़े ध्वज को संतुलित करना एक बड़ी चुनौती थी। इस मिशन को अंडमान और निकोबार प्रशासन तथा भारतीय रक्षा बलों के सहयोग से पूरा किया गया। अंडमान के उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने टीम को आधिकारिक गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस मौके पर शरथ अशोक ने कहा कि तिरंगा 1.4 अरब भारतीयों की ताकत का प्रतीक है। समुद्र की गहराइयों में अपने राष्ट्रीय ध्वज को फहराना मेरे जीवन का सबसे गर्वपूर्ण क्षण है। यह उपलब्धि युवाओं को साहसिक खेलों और राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरित करेगी। शरथ अशोक एक दशक से अधिक समय से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे एक प्रमाणित डाइव मास्टर, स्कूबा प्रशिक्षक होने के साथ-साथ प्रशिक्षित पैराग्लाइडर और पर्वतारोही भी हैं। उनकी यह अंतरराष्ट्रीय सफलता आज के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा बनकर उभरी है।

चेन्नई हवाई अड्डे पर विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोलने पर यात्री गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 'टैक्सीवे' पर चल रहे विमान का आपातकालीन निकास द्वार एक यात्री द्वारा खोल दिए जाने के कारण कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। एयर अरबिया का एक विमान 231 यात्रियों को लेकर रविवार तड़के शारजाह से चेन्नई पहुंचा था।

विमान जब टैक्सीवे यानी रनवे और टर्मिनल को जोड़ने वाले निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा था, तभी उसमें सवार पुडुकोट्टई निवासी 34 वर्षीय युवक ने एक आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया।

पायलट ने विमान को तुरंत रोक दिया और प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद बम निरोधक विशेषज्ञों और सशस्त्र अधिकारियों समेत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मी तुरंत उस स्थान पर पहुंचे, जहां विमान रुका था। पायलट ने घटना को लेकर तत्काल औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सुरक्षाकर्मी विमान में सवार हुए और उन्होंने यात्री को हिरासत में ले लिया। अधिकारी यात्री से पूछताछ कर रहे हैं और उसकी मानसिक स्थिति का भी आकलन किया जा रहा है।

भाजपा उम्मीदवार जॉर्ज को बड़े अंतर से जीत की उम्मीद

कोट्टयम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार पी.सी. जॉर्ज ने रविवार को कहा कि वह पूंजार सीट से अपनी शानदार जीत को लेकर आश्वस्त हैं और एक करोड़ रुपये की शर्त लगाने को तैयार हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, मैं बड़े अंतर से जीतूंगा। अगर किसी को कोई संदेह है, तो वह एक करोड़ रुपये की शर्त लगा सकते हैं।

जॉर्ज ने पड़ोसी पाला निर्वाचन क्षेत्र में अपने बेटे शोन जॉर्ज की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि अगली विधानसभा में दोनों एक साथ सदन में प्रवेश करेंगे। उन्होंने दावा किया कि राजीव चंद्रशेखर के नेतृत्व में भाजपा केरल में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करेगी और किसी भी पार्टी को चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सबसे ज्यादा सीट जीतेगा जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) का प्रदर्शन कुछ खास खराब नहीं रहेगा।

पूर्व कांग्रेस विधायक बाबूलाल बैरवा का निधन, अशोक गहलोत ने जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के कठूमर से कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक बाबूलाल बैरवा का रविवार को निधन हो गया। जयपुर के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बाबूलाल बैरवा के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शोक व्यक्त किया है। जानकारी के अनुसार, बाबूलाल बैरवा लगभग 10 दिनों से बीमार थे। उन्हें बीपी, शुगर और अस्थमा की बीमारी थी। जयपुर में इलाज के दौरान उन्होंने तड़के करीब 3 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन से कठूमर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बाबूलाल बैरवा अलवर की कठूमर विधानसभा सीट से चार बार विधायक रहे। उन्होंने 1980 में पहली बार चुनाव जीता था। उसके बाद भाजपा और कांग्रेस के टिकट पर तीन बार विधायक चुने गए। 2018 में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बैरवा के निधन पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कठूमर (अलवर) से कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक बाबूलाल बैरवा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनके निधन से क्षेत्र की राजनीति और सामाजिक जीवन में अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने आगे लिखा, एक लंबे अरसे तक विधायक के रूप में उनका अनुभव और क्षेत्र के विकास में उनकी सक्रिय भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। इस कठिन समय में शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें यह आघात सहने की शक्ति दें एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ने लिखा, कठूमर (अलवर) से विधायक रहे बाबूलाल बैरवा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्मा को चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें।

हाईवे पर अवैध पेट्रोल-केमिकल कारोबार का भंडाफोड़, 2 पिकअप जब्त, 3 गिरफ्तार

जोधपुर। ओसियां क्षेत्र में जोधपुर जिला विशेष टीम (डीएसटी) और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हाईवे पर चल रहे अवैध पेट्रोल-केमिकल कारोबार का पर्दाफाश किया गया। जोधपुर-फलोदी स्टेट हाईवे-61 पर सिरमंडी के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर पहुंची टीम ने मौके से दो पिकअप जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस वृत्ताधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने बताया कि तलाशी के दौरान दोनों वाहनों से करीब 9 ड्रम ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ और केमिकल बरामद किए गए। एक पिकअप में 200-200 लीटर के 7 बड़े प्लास्टिक ड्रम सहित अन्य कंटेनर मिले। मौके से तरल पदार्थ निकालने के लिए उपयोग में ली जा रही इलेक्ट्रॉनिक मोटर (पंप) और पाइप भी जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ओमप्रकाश, श्यामसुंदर और भंवराराम को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बिना वैध अनुमति पेट्रोल-केमिकल का भंडारण और परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने सैंपल लेकर ड्रम सील कर दिए और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

ओड समाज के लिए जयपुर में छात्रावास, रामदेवरा में धर्मशाला के लिए होगा भूमि आवंटन : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ओड समाज का गौरवशाली इतिहास रहा और इस समाज ने राष्ट्र की प्रगति में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि श्रम, संस्कृति और स्वाभिमान इस समाज की पहचान हैं। शर्मा ने कहा कि इस समाज ने किलों व महलों के निर्माण में अपनी कुशलता दिखाई है और जल संरचनाओं के निर्माण की इनमें अद्भुत कला है। मुख्यमंत्री रविवार को ओड समाज संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण की परंपरा को समृद्ध बनाने में ओड समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

शर्मा ने कार्यक्रम में ओड समाज को बड़ी सौगात देते हुए रामदेवरा में धर्मशाला एवं जयपुर में छात्रावास के लिए भूमि आवंटित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पाकिस्तान से विस्थापित ओड समाज के लोगों की हर संभव सहायता करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान 2047 के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और प्रधानमंत्री ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान कर 'श्रमिकों का कल्याण राष्ट्र निर्माण की नींव' का स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 ट्रेड के दस्तकारों को पांच प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है और ऋण पर दो प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान के आदेश जारी किए हैं।

शर्मा ने कहा कि अब तक दो लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षण और 53 हजार से अधिक लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों, रेहड़ी व पटरी लगाने वाले लोगों एवं लोक कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना शुरू की गई है, जिसमें 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर तीन हजार रुपये मासिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 20 लाख श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण किया गया है और इससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि वहीं इनके कल्याण एवं रोजगार अवसरों में वृद्धि के लिए श्रम-सेतु मोबाइल ऐप शुरू किया है। शर्मा ने ओड समाज के युवाओं से आधुनिक कौशल प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्रदाता बनने, बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने तथा महिलाओं को आगे बढ़ाने और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर ओड महासभा के अध्यक्ष प्रेम ओड एवं अन्य पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

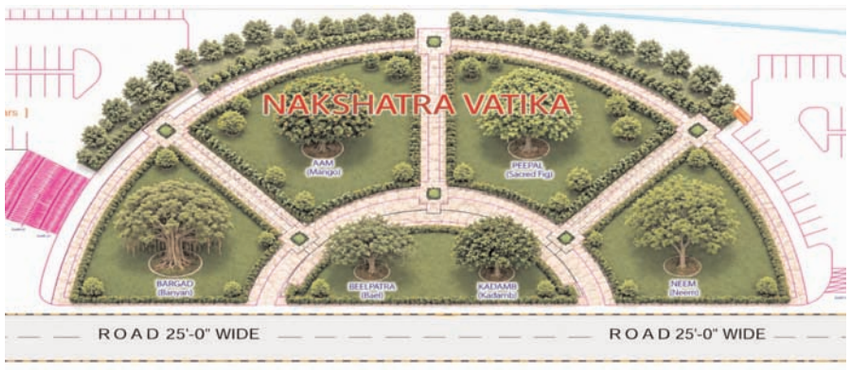

विधान सभा परिसर में लहलहाएंगे औषधीय और नक्षत्रों से संबंधित पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी की एक और पहल से विधान सभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका का अभिनव सृजन किया जा रहा है। ये वाटिकाएं भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय जान, आयुर्वेद चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव उदाहरण बनेंगी। इन वाटिकाओं का उद्घाटन डॉ. देवनानी 5 राज्यों के स्पीकर्स के साथ 5 मई को प्रातः 10 बजे करेंगे। राजस्थान विधान सभा में इस नवाचार के मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष सर्व नरेन्द्र सिंह तोमर, सतीश महाना, कुलदीप सिंह पठानिया, श्रीमती सूरमा पाढी और मिगमा नाबू साक्षी बनेंगे। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहेंगे। नक्षत्र वाटिका में होंगे 27 नक्षत्रों के पौधे- डॉ. देवनानी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका की अवधारणा भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है। ज्योतिष में प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसके लिए विधान सभा के दक्षिण भाग में दोनों पार्किंग के मध्य पांच हजार वर्ग मीटर अर्ध चन्द्राकार उद्यान विकसित किया गया है। इस वाटिका में 27 नक्षत्रों अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगसिर, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल. पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती से संबंधित प्रमुख वृक्षों क्रमशः कुचला, आंवला, गूलर, जामुन, खैर, शीशम, बांस, पीपल, नागकेसर, बरगद/बट, पलाश, पाकड, रीठा/चमेली, बेल, अर्जुन, कटारी, मौलश्री, चीड/संभल, साल, जलवेतर/अशोक, कटहल, शमी/आक, मदार/शमी, कदंब, आम, नीम, महुआ का रोपण किया जा रहा है। इन पौधों का नौ ग्रहों, बारह राशियों और त्रिदेव ब्रह्मा. विष्णु एवं शिव से भी संबंध है।

हर्बल वाटिका में होंगे 38 औषधीय पौधे - डॉ. देवनानी ने बताया कि विधान सभा परिसर में आठ सौ पचास वर्ग मीटर में हर्बल वाटिका भी विशेष रूप से विकसित की गई है। इसके लिए विधान सभा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में 813 फीट की सुव्यवस्थित 38 क्यारियों 38 क्यारियों में 38 प्रजातियों के पौधे लगाये जा रहे हैं। प्रत्येक क्यारी में एक प्रजाति के 20 से 25 पौधों का रोपण किया जा रहा है। औषधीय पौधों में रोजमेरी, लौंग, समुद्र बेल, अजवाइन, बैजंती, पेपर-मिन्ट, पचोली, इंसुलिन, मेहंदी, पत्थर चट्टा, ओडोमास, केशवर्धनी, अश्वगंधा, सिट्रोनेला, कालमेघ, अग्निमन्थ, हटजोड, ऐलोविरा (ग्वारपाटा), लेमनग्रास, वेटिवर ग्रास (खस), वेखंड (स्वीट फ्लैग), तुलसी, इलायची, पिपली, कपूर, गुज, दन्ती, मरवा, अक्कड काडा, स्टीविया, अजावृक्ष, सतावरी, रतनजोत. निरगुडी, रेड अडुसा (लाल वासा), सर्पगंधा, पान या नागरबेल और ब्राह्मी शामिल हैं, जो आयुर्वेदिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

राजस्थान में अगले कुछ दिनों आंधी-बारिश की संभावना, 50 की स्पीड से चलेंगी हवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिन गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही दिन का तापमान सामान्य रहने की उम्मीद भी जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि अगले हफ्ते राज्य के कुछ हिस्सों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। इस दौरान राज्य के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहने की उम्मीद है। जिससे फिलहाल प्रदेशवासियों को लू के प्रकोप का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से शनिवार सुबह जयपुर और सीकर सहित कई जिलों में धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे लोगों को काफी राहत मिली। प्रदेशवासियों के लिए राहत की बात यही है कि झुलसाने वाली गर्मी के बीच कुदरत समय-समय पर राहत की बौछारें बरसा रही है। शनिवार रात करीब 8 बजे के बाद से जयपुर के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश दर्ज की गई थी। अचानक हुई इस बारिश से सड़कों पर पानी भर गया और मौसम खुशनुमा हो गया। इस दौरान कई इलाकों में तेज धूल भरी आंधी का दौर भी चला। मौसम विभाग ने बताया है कि एक नया और शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने की संभावना है, जिससे 4 मई को बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर डिवीजनों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी कटी हुई फसल और अनाज को सुरक्षित स्थानों पर रखें, क्योंकि आंधी के साथ अचानक तेज बारिश होने की भी आशंका है।

मौसम विभाग ने राज्य के 21 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनू, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, फलौदी और श्रीगंगानगर शामिल हैं। इन जिलों में तेज आंधी, धूलभरी हवाएं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है।

पारिवारिक अदालत ने पति को तलाक देने का सुनाया फैसला

जयपुर। जयपुर की एक पारिवारिक अदालत ने एक व्यक्ति को उसकी पत्नी द्वारा मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक दे दिया है, जिसमें सोशल मीडिया पर उसका आचरण और विवाह के दौरान उसका व्यवहार शामिल है। मामले में व्यक्ति के अधिवक्ता डी. एस. शेखावत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पति ने अदालत में एक याचिका दायर करके पत्नी के व्यवहार को मानसिक क्रूरता बताते हुए तलाक का अनुरोध किया था।

अदालत ने कहा कि अगर पत्नी किसी दूसरे पुरुष के साथ सोशल मीडिया पर इस तरह तस्वीरें साझा करती है जो सामान्य संबंधों से आगे बढ़कर हो, तो यह पति के प्रति मानसिक क्रूरता माना जा सकता है। उन्होंने कहा, अदालत ने गौर किया कि सोशल मीडिया पर साझा की गई सामग्री का सार्वजनिक प्रभाव होता है और व्यक्तियों को जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए। अदालत ने इस बात पर भी विचार किया कि पत्नी ने अपशब्दों का प्रयोग किया और पति पर माता-पिता से अलग रहने का दबाव डाला। अदालत ने कहा कि ऐसा आचरण मानसिक उत्पीड़न के बराबर हो सकता है।

अदालत ने कहा कि वैवाहिक संबंधों में आपसी सम्मान और गरिमा आवश्यक है और बार-बार अपमानजनक व्यवहार को क्रूरता माना जा सकता है।

बांसवाड़ा, सिरोही और उदयपुर में विकसित होंगे चंदन वन : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में वन क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बांसवाड़ा, सिरोही और उदयपुर में चंदन के वन विकसित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में चंदन के पौधों का चयन उच्च गुणवत्ता का हो और उनकी सुरक्षा व उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पौधारोपण अभियान की सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं, ताकि निर्धारित समय पर प्रभावी ढंग से अभियान संचालित किया जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री ने वन संरक्षण के साथ-साथ हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों को और तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण और वन विकास अत्यंत आवश्यक है। बैठक में वन एवं पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

कड़ी सुरक्षा के बीच नीट परीक्षा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित नीट परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक शुरू हुई। राजस्थान से करीब दो लाख अभ्यर्थी इस महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा दोपहर 2 बजे निर्धारित समय पर विभिन्न केंद्रों पर शुरू हुई। परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई, जिसमें मेटल डिटेक्टर, फ्रिस्किंग और पहचान पत्रों का सत्यापन शामिल रहा। पुलिस प्रशासन और परीक्षा प्रबंधन दल ने मिलकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके।

अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे, जिसका पालन अधिकांश छात्रों ने किया। गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर पानी और छाया की भी व्यवस्था की गई, जिससे परीक्षार्थियों को राहत मिली। प्रशासन के अनुसार, परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

कर सलाहकार ने एसयूवी को बनाया एम्बुलेंस, दो दशकों में कई लोगों की बचाई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के एक कर सलाहकार पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपनी एसयूवी का उपयोग एक अस्थायी एम्बुलेंस के रूप में कर रहे हैं। इसके जरिए वह दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुँचाने में मदद करते हैं और अब तक कई लोगों की जान बचा चुके हैं। जयपुर के मालवीय नगर निवासी संदीप गुप्ता ने अब तक 120 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इनमें से 35 लोग तो ऐसे थे, जिन्हें यदि समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो उनकी मौत हो सकती थी।

इस कार्य को करने की उन्हें कैसे प्रेरणा मिली इसे याद करते हुए गुप्ता ने 'पीटीआईभाषा' को बताया, 22 साल पहले विधानसभा के पास परिवहन विभाग के सामने कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। लोग एंबुलेंस का इंतजार कर रहे थे। काफी इंतजार के बाद एम्बुलेंस तो पहुंच गई, लेकिन घायल व्यक्ति की मौत गई। उन्होंने कहा, इस घटना ने मुझे गहराई से प्रभावित किया और संकल्प लिया कि भविष्य में किसी भी घायल को एम्बुलेंस का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। तभी से अपनी कार को जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस में बदलना शुरू कर दिया। अब जहां भी मुझे दुर्घटना में कोई घायल मिलता है, तो अपनी कार से उसे अस्पताल पहुंचाता हूं।

गुप्ता ने बताया कि शहर में कहीं से भी गुजरते समय सड़क दुर्घटना नजर आने पर सबसे पहले वह मौके पर रुकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके बाद एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना वह घायल को कार से अस्पताल पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि वह अपनी कार में प्राथमिक उपचार का सामान, चादर और अन्य जरूरी सामग्री भी रखते हैं। उन्होंने बताया कि उनके इस मिशन में यातायात पुलिस का हमेशा सहयोग मिला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में पुलिस उपायुक्त यातायात की ओर से विशेष अनुमति के लिए पत्र दिया गया था।

कई लोगों ने अपनी जान बचाने का श्रेय गुप्ता को दिया है। रामनगरिया निवासी मृदुल गौतम ने बताया, 17 नवंबर 2017 की वह शाम मेरी जिंदगी की सबसे मुश्किल शामों में से एक थी। मैं अपने छोटे भाई दैविक के साथ स्कूल से स्कूटी पर घर लौट रहा था, तभी एक भयावह दुर्घटना हो गई। मैं गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया और मेरा छोटा भाई भी चोटिल हो गया। उस समय स्थिति बहुत चिंताजनक थी।

मृदुल ने बताया, ठीक उसी समय रास्ते से गुजर रहे संदीप अंकल ने हमें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने भी कहा कि उनकी समय पर सहायता और तेज निर्णय के कारण ही हमारी जान बच सकी। संदीप अंकल ने मुझे नया जीवन दिया। ऐसी दुर्घटना के बाद जीवन दान पाकर मैं बेंगलूरु में एक प्रोजेक्ट एसोसिएट के पद पर कार्यरत हूं।

सीताबाड़ी निवासी योगिता शर्मा ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर कॉमर्स कॉलेज के पास 23 अक्टूबर 2009 की शाम वह स्कूटी से घर लौट रही थीं। शर्मा ने बताया कि तभी एक गंभीर दुर्घटना के बाद जब वह सड़क किनारे एक गड्ढे में घायल अवस्था में पड़ी थीं, तब गुप्ता ने ही उन्हें बचाया और अस्पताल पहुँचाया था। गुप्ता के इस सामाजिक सरोकार को देखते हुए उन्हें पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, राज्य के पुलिस महानिदेशक और कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कहा, किसी की जान बचाना सबसे बड़ा धर्म है।

बालोतरा में युवक की पीट-पीटकर हत्या

जयपुर।राजस्थान के बालोतरा जिले में बदमाशों ने अपहरण के बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव को दूसरे जिले के एक कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान बालोतरा निवासी बचिया उर्फ सुरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सुरेश सिवाना में मजदूरी करता था। पाली जिले के जेतपुर थानाप्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि 15 अप्रैल को वीर बापजी मंदिर के पास सुरेश का ईश्वर भील नाम के व्यक्ति से विवाद हुआ था और इसी रंजिश में आरोपी लगातार उसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल की शाम आरोपियों ने देवड़ा गांव में रेलवे फाटक के पास से सुरेश का अपहरण कर लिया और सुनसान जगह ले जाकर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी।

मुख्यमंत्री योगी ने किया एक साल में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी पदों पद भर्ती का ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक साल के अंदर राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती का ऐलान करते हुए रविवार को कहा कि अपने अब तक के नौ साल के कार्यकाल में नौ लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दे चुकी उनकी सरकार ने सकुशल और पारदर्शी तरीके से देश में सर्वाधिक नियुक्तियां करने का रिकॉर्ड कायम किया है।

मुख्यमंत्री ने नव चयनित कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) एवं दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों के 609 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम में कहा कि सरकार की स्पष्ट नीति और साफ नीयत की वजह से ही प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के अंदर नौ लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा, ''देश के अंदर किसी भी राज्य में सबसे अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल और पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का यह रिकॉर्ड है... और हम अभी लगातार नियुक्तियां कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्तियां करेगी। आदित्यनाथ ने कहा, '' अकेले अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा।

इसके अलावा शिक्षा सेवा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग लगभग 15 भर्तियां इस साल संपन्न कराएगा। इसके अलावा पुलिस में भी भर्तियों की प्रक्रिया चल रही है।'' उन्होंने कहा, ''यह मानकर चलिए कि एक वर्ष के अंदर यानी 2026-27 के अंदर उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्तियां होनी हैं।''

आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में धांधली को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है जिसमें धांधली करने वालों को आजीवन कारावास और सम्पत्ति जब्त करने के सख्त प्रावधान किए गए हैं, यही वजह है कि सरकार अभी तक नौ लाख पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ भर्तियां कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने बिना किसी भेदभाव के नियुक्तियां दी हैं क्योंकि किसी भी प्रतिभावान नौजवान के साथ जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव होना अपने आप में 'महापाप' है।

2027 क्या, 2047 तक भी सैफई परिवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार व संगठन में एकजुटता का संदेश देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा और कहा कि 2027 क्या, 2047 तक भी सैफई परिवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा। यादव ने शनिवार को केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की तस्वीर साझा कर 'एक्स' पर कहा था, दो स्टूल मिलकर कुर्सी नहीं बन सकते। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसका मतलब निकाला कि दोनों मिलकर भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते।

केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर जवाब देते हुए कहा, सपा बहादुर अखिलेश यादव, आपके इशारों पर मर्यादा लांघकर 'फर्जी पीडीए' परोसने वालों को प्रदेश की जागरूक जनता भली-भांति पहचानती है। उन्होंने कहा, सदन में आपकी भाषा व आचरण ही आपके समर्थकों की शैली एवं व्यवहार में साफ दिखते हैं और यही आपकी राजनीति की असल फितरत भी उजागर करते हैं। मौर्य ने दावा किया, साफ है कि 2027 क्या, 2047 तक भी सैफई परिवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा। सपा का पूरा इतिहास अराजकता, जुल्म और गुंडागर्दी के काले पन्नों से भरा रहा है, जिसे प्रदेश की जनता अब दोबारा स्वीकार नहीं करेगी। उत्तर प्रदेश में फिर एक बार कमल खिलेगा और सुशासन कायम रहेगा। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में भाजपा की एकजुटता दिखाते हुए कहा, अखिलेश यादव, आपको एक नेक सलाह है कि आप गलतफहमियों का शिकार न बनें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा सरकार का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मेरे साथ समूचा भाजपा नेतृत्व एवं हर कार्यकर्ता चट्टान की तरह एकजुट है। मौर्य ने कहा, 'सपा को सफा' करने का हमारा संकल्प अटल है। बांटो और सत्ता हथियाने की आपकी सारी 'कसरत' धरी की धरी रह जाएगी। सपा की गुंडागर्दी और अराजकता हमेशा के लिए दफन हो जाएगी।

ओडिशा पुलिस ने मल्कानगिरी में हशीश तेल बनाने के लिए रखा गया 800 लीटर रसायन जब्त किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने रविवार को मल्कानगिरी जिले में एस्सार चौक के पास एक वाहन से करीब 800 लीटर रसायन बरामद किया है जिसका इस्तेमाल मादक पदार्थ 'हशीश तेल' बनाने में होता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वाहन से लगभग 50 किलोग्राम गांजा और दो लीटर हशीश तेल भी जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि वाहन का चालक भागने में सफल रहा। अधिकारियों ने दावा किया कि तस्कर चित्रकोंडा इलाके में हशीश तेल बनाने की एक इकाई लगाने की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस की निगरानी के कारण वे ऐसा नहीं कर पाए। एक अधिकारी ने बताया कि इसलिए, उन्होंने वाहन के अंदर ही एक प्रसंस्करण इकाई लगा ली थी, जिस पर पुलिस जांच से बचने के लिए एक फर्जी पंजीकरण संख्या वाली प्लेट लगी थी। उन्होंने बताया कि हशीश तेल बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले लगभग 800 लीटर रसायनों के अलावा, वाहन से इसे बनाने वाले उपकरण भी जब्त किए गए।

सोरेन ने जनगणना में आदिवासियों के लिए 'सरना' धर्म के प्रावधान का अनुरोध किया

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जनगणना में आदिवासी समुदाय के लिए 'सरना धर्म' का अलग प्रावधान करने की मांग की। सोरेन ने कहा कि आदिवासियों की अलग पहचान सुनिश्चित करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए सरना धार्मिक कोड जरूरी है। सोरेन ने बताया कि 2011 की जनगणना में सरना के लिए अलग श्रेणी नहीं होने के बावजूद 21 राज्यों में करीब 50 लाख लोगों ने धर्म के कॉलम में खुद को 'सरना' बताया था।

मुख्यमंत्री ने आगामी जनगणना में आदिवासी समुदाय के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए सरना धर्म के लिए अलग कोड उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा कि उन्हें उम्मीद है कि जनगणना के दूसरे चरण में सरकार राज्य की आकांक्षाओं, विधानसभा के प्रस्ताव और आदिवासी समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर गंभीरता से विचार करेगी। सोरेन ने नीति-निर्माण और संतुलित विकास के लिए सटीक और तथ्यों पर आधारित आंकड़ों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड जनगणना प्रक्रिया में पूरा सहयोग कर रहा है।

'भाजपा व निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव में किए गए 'ट्रायल' को प.बंगाल में लागू किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कराने के लिए एक समानांतर व्यवस्था स्थापित करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग ने मिलकर साढ़े तीन साल पहले उत्तर प्रदेश के रामपुर उपचुनाव में जो 'ट्रायल' किया था, उसे हू-ब-हू बंगाल में लागू कर दिया।

यादव ने पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में केंद्रीय बलों के दखल के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा कि उत्तर प्रदेश में जब 2022 में रामपुर लोकसभा और विधानसभा का उपचुनाव हुआ था, तब सबने देखा कि किस तरीके से वहां चुनाव अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की गई थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, शायद भारतीय जनता पार्टी ने आयोग के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में एक 'ट्रायल' किया था और उसे हू-ब-हू बंगाल में उतार दिया। मुझे जानकारी मिली है कि उन्होंने केंद्रीय बलों और अर्धसैनिक बलों का एक समानांतर ढांचा बना दिया था।

इसके अलावा पुलिस व्यवस्था के समानांतर भी एक व्यवस्था बना दी गई थी। सपा प्रमुख ने हालांकि पश्चिम बंगाल में एक बार फिर ममता बनर्जी की अगुवाई में सरकार बनने का विश्वास जताते हुए कहा, दीदी थी, दीदी रहेंगी। वह लड़ेंगी भी और जीतेंगी भी।

पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले भाजपा उम्मीदवारों ने किए मंदिरों के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों ने मतगणना से एक दिन पहले रविवार को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के मंदिरों में पूजा-अर्चना कर जीत की कामना की।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने अपने गृह जिले 'पूर्व मेदिनीपुर' में काली और शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की। अधिकारी नंदीग्राम से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा वह कोलकाता के भवानीपुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भी उम्मीदवार हैं। सिलीगुड़ी के उम्मीदवार शंकर घोष ने रथाखोला कालीबाड़ी मंदिर में पूजा की। घोष ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने भाजपा की जीत और राज्य में 'सत्ता परिवर्तन' के लिए प्रार्थना की। राज्य में तृणमूल कांग्रेस पिछले 15 वर्षों से शासन कर रही है। खड़गपुर सदर के उम्मीदवार दिलीप घोष ने कोलकाता के न्यू टाउन स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। उसी इलाके में उनका निवास भी है।

उन्होंने बताया कि ठकदारी काली मंदिर में उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की और भगवान शिव को धतूरा अर्पित कर जलाभिषेक किया। कोलकाता पोर्ट से उम्मीदवार राकेश सिंह ने अपने क्षेत्र के मंदिर में पूजा की, जबकि चौरंगी सीट के उम्मीदवार संतोष कुमार पाठक ने बुर्राबाजार के मंदिर में दर्शन किए।

'ग्रेट निकोबार' की राहुल की यात्रा से मोदी सरकार घबराई, संबंधित चिंताओं पर चर्चा हो : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर पारिस्थितिकी, जनजातीय अधिकारों, पारदर्शिता और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को विस्तार से उठाते हुए कहा कि इन मुद्दों पर संसदीय मंच में चर्चा होनी चाहिए। विपक्षी दल ने दावा किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की पिछले सप्ताह ग्रेट निकोबार की यात्रा के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ''घबराई हुई'' है और बचाव की मुद्रा में आ गई है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, ''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 28 अप्रैल, 2026 को ग्रेट निकोबार की बेहद प्रभावशाली यात्रा के बाद से मोदी सरकार स्पष्ट रूप से बचाव की मुद्रा में आ गई है और उसने तीन दिन बाद ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना पर एक प्रेस नोट जारी किया।'' रमेश ने कहा कि यह प्रेस नोट उन गंभीर चिंताओं का कोई जवाब नहीं देता जिन्हें स्थानीय प्रभावित समुदायों, पर्यावरणविदों, मानवविज्ञानियों, शिक्षाविदों, नागरिक समाज के विशेषज्ञों और अन्य पेशेवरों ने उठाया है।

पटना में ललित भवन के पास युवती का शव मिला, हत्या की आशंका

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को ललित भवन के पास एक युवती का शव बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में बेली रोड स्थित ललित भवन में कई सरकारी कार्यालय हैं। सचिवालय-2 के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) साकेत कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार्यालय परिसर के पास एक गली से युवती का शव बरामद किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम युवती की पहचान करने का प्रयास कर रहे हैं। एसडीपीओ ने बताया कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने मौके का निरीक्षण किया और जांच में श्वान दस्ते को भी लगाया गया है। एसडीपीओ कुमार ने कहा, शव पर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि युवती की हत्या कहीं और की गई और शव यहां लाकर फेंका गया। उन्होंने बताया कि जांचकर्ता इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

सहारनपुर में महिला ने नाबालिग को नहर में धक्का दिया, मौत

सहारनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में रुपयों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक महिला ने 14 साल के नाबालिग लड़के को नहर में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया और नाबालिग का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि शुक्रवार को केशव नगर स्थित नुमायश कैंप निवासी ज्योति नाम की महिला ने कोतवाली में तहरीर दी कि उनका 14 वर्षीय बेटा अंशुमन घर से सामान लेने निकला था और वापस नहीं लौटा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

बिंदल ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक महिला स्कूटी पर बच्चे को पीछे बैठाकर ले जाती दिखी, जिसकी पहचान नुमायश कैंप की निवासी पूजा के रूप में हुई।

उन्होंने बताया कि पूजा को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

बिहार: राज्यव्यापी 'सद्भाव यात्रा' शुरू करने के लिए पश्चिम चंपारण रवाना हुए निशांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जद (यू) प्रमुख नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार को बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लिए रवाना हुए, जहां से वह अपने जनसंपर्क अभियान के तहत 'सद्भाव यात्रा' की शुरुआत करेंगे।

तुरही की ध्वनि तथा शंखनाद के बीच निशांत कुमार यहां पार्टी मुख्यालय से एक सजे-धजे वाहन में सवार होकर जिले के लिए रवाना हुए। इस दौरान समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। पश्चिम चंपारण के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मेरी पहली राजनीतिक यात्रा 'सद्भाव यात्रा' आज से शुरू हो रही है। 'सद्भाव' शब्द प्रेम और सकारात्मक भावनाओं का प्रतीक है। मैं सबको साथ लेकर चलूंगा, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ूंगा।''

पिछले महीने ही पार्टी में शामिल हुए 45 वर्षीय कुमार पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर से अपनी ''सद्भाव यात्रा'' शुरू करने वाले हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग दो दशक लंबे कार्यकाल के दौरान उनके पिता ने कई बार इस स्थान को अपनी कई यात्राओं के आरंभिक बिंदु के रूप में चुना था। निशांत कुमार ने बताया कि यात्रा पर निकलने से पहले उन्होंने अपने पिता से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, ''पश्चिम चंपारण वह भूमि है जहां महात्मा गांधी ने 1917 में दौरा किया था और अपना सत्याग्रह शुरू किया था। मेरे पिता ने भी अपनी सभी महत्वपूर्ण यात्राओं की शुरुआत यहीं से की।''

जद (यू) नेता ने कहा कि वह पिछले दो दशकों में अपने पिता द्वारा किए गए कार्यों का प्रचार करेंगे और जो भी कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं, उन्हें पूरा करने का काम करेंगे।

कुमार ने कहा, ''मैं जद (यू) के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करूंगा, पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलूंगा और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए उनकी राय लूंगा।''

विनेश को पक्षपात की आशंका, डब्ल्यूएफआई ने दिया सुरक्षा का आश्वासन लेकिन आयोजन स्थल बदलने से इनकार

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने रविवार को जोर देकर कहा कि गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट का स्थल नहीं बदला जाएगा और उन्होंने विनेश फोगाट की सुरक्षा की 'व्यक्तिगत गारंटी' दी। उनका यह आश्वासन तब दिया गया, जब इस दिग्गज पहलवान की सुरक्षा और पक्षपात को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। विनेश ने चेतावनी दी कि गोंडा में आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान उनके या उनकी टीम के सदस्यों के साथ कुछ भी अप्रिय घटना होने पर भारत सरकार जिम्मेदार होगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में ''पक्षपातपूर्ण फैसलों'' की आशंका भी जताई। विनेश ने लगभग 18 महीनों के बाद वापसी करने से पहले एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि बृज भूषण शरण सिंह से जुड़े स्थल पर होने वाली प्रतियोगिता के परिणामों पर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख के करीबी लोग प्रभाव डाल सकते हैं। संजय सिंह ने बताया कि अगर विनेश को अपनी सुरक्षा की चिंता है तो मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं इसकी व्यक्तिगत गारंटी ले रहा हूं।

स्पिनरों के बाद रघुवंशी के अर्द्धशतक से केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद का जीत का सिलसिला तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने स्पिनरों चक्रवर्ती (36 रन देकर तीन विकेट) और सुनील नारायण (30 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद अंगकृष रघुवंशी (59 रन) के अर्धशतक की बदौलत रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। फॉर्म में लौटे चक्रवर्ती और नारायण की शानदार गेंदबाजी की बदौलत केकेआर ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 19 ओवर में महज 165 रन पर समेट दिया।

इसके बाद रघुवंशी (47 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (43 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 11 ओवर में 84 रन की साझेदारी निभाई। इससे टीम ने यह लक्ष्य 10 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 169 रन बनाकर हासिल कर लिया। फिन एलेन ने 13 गेंद में 29 रन बनाए। रिंकू सिंह ने 11 गेंद में नाबाद 22 रन बनाकर टीम को सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार पांच जीत की लय तोड़ने में मदद की।

सनराइजर्स हैदराबाद 12 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर, जबकि केकेआर सात अंक लेकर आठवें स्थान पर बरकरार है। नारायण अपने 197वें मैच में आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले खास क्लब में शामिल हो गए। इस क्लब के अन्य सदस्य भुवनेश्वर कुमार (199 मैच में 215 विकेट) और युजवेंद्र चहल (182 मैच में 228 विकेट) हैं। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने चौथे ओवर में ही अपने 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी एलेन का विकेट खो दिया, तब टीम का स्कोर 49 रन था। इसके बाद रहाणे और रघुवंशी ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

पिछले आठ मैचों में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हुए रहाणे ने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के इस सत्र में पहली बार ऑल आउट हुई। उसके लिए ट्रेविस हेड (61 रन) ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया। केकेआर ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी की, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने अंतिम 10 ओवर में 60 रन बनाकर नौ विकेट गंवाए।

सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद हमेशा की तरह आक्रामक शुरुआत की। उसने पावरप्ले में अभिषेक शर्मा (10 गेंद, 15 रन) का विकेट गंवाकर एक विकेट पर 77 रन बना लिए थे। पावरप्ले में टीम के स्कोर का श्रेय हेड (28 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) को जाता है। हेड को ईशान किशन (29 गेंद, 42 रन) का अच्छा साथ मिला। यह लगातार तीसरा मैच था, जब सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले 10 ओवरों में 100 से अधिक रन बनाए।

भारत टी20 विश्व कप के लिए सही राह पर है : मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने रविवार को माना कि ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह भरना आसान नहीं है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि टीम अगले महीने इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

भारतीय टीम टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इंग्लैंड रवाना होने से पहले भारतीय टीम 10 से 16 मई तक बेंगलूरु में अभ्यास शिविर में भाग लेगी। विश्व कप के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच भी खेलेगी।

मजूमदार ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, ''अमनजोत चोटिल है और उनके जैसी खिलाड़ी की जगह भरना बहुत मुश्किल है। उन्होंने भारत की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और हमें उनकी कमी खलेगी।'' उन्होंने कहा, ''चोट खेल का हिस्सा होती है और उन्हें गंभीर चोट लगी है जिसके कारण वह कम से कम 4-5 महीने तक क्रिकेट नहीं खेल पाएगी। मुझे उम्मीद है कि वह पूरी तरह से फिट होकर मजबूत वापसी करेगी।''

मजूमदार ने कहा की तैयारी के लिहाज से टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''शिविर आयोजित करना टीम के लिए महत्वपूर्ण रहा है और इससे पहले भी वह इस तरह के शिविर में भाग लेती रही है। हम अपने सामने आने वाली हर चुनौती के लिए अच्छी तैयारी करने में विश्वास रखते हैं। मेरा मानना है कि यह टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।'' मजूमदार ने कहा, ''इंग्लैंड का दौरा करना हमेशा चुनौती पूर्ण रहा है लेकिन हमारी टीम इसके लिए तैयार है। पिछले साल हमने इंग्लैंड को हराया था और हमारी टीम वहां अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।''

भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि पिछले साल अपना पहला वनडे खिताब जीतने के बाद टीम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। जेमिमा ने कहा, ''मुझे लगता है कि अब वनडे विश्व कप की जीत हमारे लिए प्रेरणा का काम करेगी। हमने एक खिताब जीत लिया है और हम दूसरा खिताब भी जीतना चाहते हैं। हम वनडे विश्व कप जीत कर ही संतुष्ट नहीं हो सकते हैं।''

सुविचार

निगाहों में मंज़िल थी, गिरे और गिरकर संभलते रहे, हवाओं ने बहुत कोशिश की, मगर चिराग आंधियों में भी जलते रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनादेश का सम्मान करें

केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद अब मतगणना की बारी है। देश-दुनिया के करोड़ों लोगों की निगाहें इन नतीजों पर होंगी। इस समय राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को संयम से काम लेना चाहिए। जो उम्मीदवार जीतें, उन्हें विनम्र रहना चाहिए। जो राजनीतिक दल सत्ता पाएं, उन्हें अहंकार से दूर रहना चाहिए। वे इन नतीजों को जनता-जनार्दन का आशीर्वाद मानें और सबके कल्याण के लिए काम करें। जो उम्मीदवार हारें, उन्हें व्यवस्थाओं में खोट ढूंढ़ने के बजाय आत्मावलोकन करना चाहिए। उन्हें क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता के मुद्दे उठाने चाहिएं। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जब कोई उम्मीदवार चुनाव में हारा, लेकिन उसकी निष्ठा पर विश्वास कर जनता ने अगली बार विजयी बना दिया। सुरक्षा बलों को उत्पाती और उपद्रवी तत्त्वों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजे आने के बाद हिंसा का इतिहास रहा है। हालांकि इस बार मतदान बहुत शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव आयोग की सख्ती के आगे उपद्रवियों के तेवर ढीले पड़ गए। पश्चिम बंगाल में तृणकां लगातार कथित धांधली का मुद्दा उठा रही है। वह अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं दे सकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो भवानीपुर के एक ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में पहुंचकर मशीनों से छेड़छाड़ का आरोप लगा चुकी हैं। एग्जिट पोल्स में तृणकां की हालत खस्ता दिखाई गई है। क्या मतदान के बाद ईवीएम को लगातार निशाना बनाने की कोशिश दरअसल एक बहाना है? इस तरह तृणकां चुनाव जीतने पर यह तर्क दे सकती है कि ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ के बावजूद हमें जबर्दस्त जनादेश मिला। अगर तृणकां चुनाव हारी तो यह कहकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर सकती है कि ईवीएम में ही गड़बड़ थी!

चुनाव में कोई भी राजनीतिक दल जीते या हारे, उसे जनता, चुनाव आयोग और व्यवस्थाओं पर विश्वास होना ही चाहिए। इन पर अविश्वास करने का मतलब है- लोकतंत्र पर अविश्वास। यह स्वीकार्य नहीं है। जब चुनाव जीतें तो सब ठीक, जब चुनाव हारें तो गड़बड़! ऐसा नहीं होना चाहिए। राजनीतिक दलों को एक और बात याद रखनी चाहिए। अपनी सत्ता के इतिहास के आधार पर यह सपना न देखें कि भविष्य ऐसा ही होगा। लोकतंत्र में जब जनता वर्षों से सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों को उखाड़ फेंकती है तो उनकी वापसी आसान नहीं होती है। पश्चिम बंगाल किसी ज़माने में कांग्रेस का गढ़ होता था। उसके बाद सीपीआई (एम) ने दशकों शासन किया। आज बंगाल में इन दोनों राजनीतिक दलों की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। इन चुनावों में जो भी राजनीतिक दल जीते, उसे यह स्वीकार करना चाहिए कि अगर आप जनता से दूर जाएंगे तो जनता आपको सत्ता से दूर कर देगी; चाहे आपके नेता कितने ही महान हों। चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक दलों की सर्वोच्च प्राथमिकता जनकल्याण होना चाहिए। इसमें किसी तरह का भेदभाव न हो। भाषावाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता से क्षणिक सफलता ही मिल सकती है। उसकी नींव खोखली होती है। एक बार जब जनता को समझ में आ जाता है कि कोई राजनीतिक दल फूट डालकर सत्ता का सुख प्राप्त करना चाहता है तो उसके दांव-पेच किसी काम नहीं आते। चुनाव जीतकर मनमानी न करें। ऐसे कदम उठाएं, जो जनता का जीवन स्तर बेहतर बनाएं। आज आम आदमी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई, अपराध समेत दर्जनों समस्याओं से परेशान है। राजनीतिक दल चुनाव जीतकर इनका समाधान करें, न कि अगले चुनाव की तैयारी में लग जाएं। अगर जनकल्याण की भावना के साथ काम करेंगे तो अगले चुनाव की चिंता करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

ट्वीटर टॉक

आज सीकर जिले के समर्थपुरा गांव में राजस्थान की पावन धरती के वीर सपूत, भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीद विजेंद्र सिंह शेखावत जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

-दिया कुमारी

आज मुझे मुंबई में श्री सिद्धिविनायक गणेश जी के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। मैंने मंगलमूर्ति से राज्य की तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।ङ्कङ्कङ्कल जयपुर में और आज मुंबई में, मैंने अपने परिवार के साथ समय बिताया।

-अशोक गहलोत

भाजपा परिवार की सीनियर सदस्य, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री, बड़ी बहन उमा भारती को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! प्रभु श्री रामराजा सरकार आपको हमेशा स्वस्थ रखें, लंबी उम्र दें, और आपका स्नेह और आशीर्वाद हम सब पर ऐसे ही बरसता रहे ।

-शिवराज सिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

श्रद्धा और धर्मतत्व

धर्म का मूल है अंतःश्रद्धा। जो आत्मतत्व के लिए स्थिर नहीं रह सकता, वह उसे पा भी नहीं सकता। शुकदेव ने अपने पिता और गुरु व्यास जी से धर्मतत्व के हस्तगत होने का रहस्य पूछा। व्यास ने उन्हें राजा जनक के पास जाने को कहा, क्योंकि वे उन दिनों के सबसे बड़े ब्रह्मवेता थे। शुकदेव वहां पहुंचे और राजा को सूचित किया। उत्तर मिला कि सात दिन ठहरना होगा, उसके बाद ही भेंट संभव होगी। शुकदेव बिना आतिथ्य और आश्रय के जहां-तहां भटकते हुए समय बिताते रहे। न उन्हें खीज आई, न रोष या असंतोष उभरा। समय लगता है, तिरस्कार होता है और कष्ट होता है, तो प्रयोजन पूरा करने की श्रद्धा बनी रहनी चाहिए। शुकदेव उन सात दिनों में यही सोचते रहे। नियत समय पर बुलावा आया, समुचित आतिथ्य हुआ और सम्मान के साथ उनकी जिज्ञासा का समाधान हुआ। जाते समय जनक ने कहा, 'श्रद्धा की शिथिलता और प्रखरता ही धर्मतत्व के प्राप्त होने या न होने का प्रमुख कारण है। आप जैसे श्रद्धालु ही खरे उतरते हैं और अमृतत्व प्राप्त करते हैं।'

सामयिक

क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा?

घोर लापरवाही बदइंतजामी के बीच जान गंवाते पर्यटक

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रैल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं. उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं। आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं।

गौरतलब है कि जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं। डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया। हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था। इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा। ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया। जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया। पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं। किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे. सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए. उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे। चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई।

जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े। हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे। आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला। मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं।

जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं. वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे। वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है। सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं। वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं। एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा। बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है। पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है। वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है. पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं। जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है। टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया? जानकारी के अनुसार क्रूज का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग करता है बताया गया है कि इस बीस साल पुरानी क्रूज में वैध तौर पर तीस पर्यटक लिस्टेड थे लेकिन कुछ लोग स्टाफ की कृपा पर भी सवार थे जो लिस्टेड नही थे। बचाव दल 28 लोगों को बचाने का दावा कर रहा है जबकि नौ शव निकाले जा चुके हैं इस तरह 37 सवारियों की पुष्टि हो जाती है। इसके अलावा नियमानुसार सबको लाइफ जेकेट पहनना अनिवार्य था लेकिन तूफान आने पर अफरा-तफरी मचने पर लाइफ जेकेट दी गयी उन्हें पाने के लिए सभी सवार पर्यटकों के क्रूज पर एक तरफ आने से संतुलन बिगड़ गया और क्रूज एक ओर झुकते ही नदी में समा गया।

जाहिर है कि यह क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा? इसकी चिंता सरकार या सरकारी अमले को कतई नहीं है। व्यवस्था में जुड़े सरकारी अधिकारी कर्मचारी अपनी कमीशन खोरी और किसी न किसी तरह जेब भरने में जुट जाते हैं। मौसम की चेतावनी को दरकिनार कर पर्यटकों को जान की कीमत पर धार्मिक या मौज मस्ती का पर्यटन कराना कौन सी नैतिकता है? उत्तराखंड जैसे संवेदनशील प्राकृतिक वातावरण वाले प्रदेश में चारधाम यात्रा के लिए क्षमता से अधिक पर्यटकों को विभिन्न माध्यमों से लुभाना कहां तक उचित है? यूपी में बीते साल कुम्भ स्नान के लिए ऐसा प्रचार किया गया कि श्रद्धालुओं का इतना सैलाब आ गया कि व्यवस्था लडखडा गयी भगदड़ में सैकड़ों जान गयीं। इसी तरह उत्तराखंड सरकार भलीभांति जानती है कि 2013 की केदारनाथ या 2024 की चमोली रैणी गाँव ग्लेशियर फटने और धराली में बादल फटने से जनहानि जैसी आपदा में बचाव की कोई समुचित व्यवस्था उसके पास मौजूद नहीं है तब भी लोगों को मीठे मीठे सपने दिखा कर चारधाम पर्यटन के नाम पर उनके जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला जारी है। हर सरकार दलील देती है कि पर्यटन ही स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐसे हालात में सुधार की बड़ी जरूरत है कम से कम नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए ताकि मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटनाओं को तो रोका जा सके।

आपको बता दें बरगी डैम हादसे में अब तक नौ लोगों के शव मिलने की पुष्टि हो चुकी है. वहीं आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब भी करीब छह लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी राहत कार्यों में पुलिस की मदद कर रहे हैं। फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने की है। प्रशासन ने पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी है। अब लापता लोगों के जीवित बचने की संभावना बहुत कम है। सरकार अनुग्रह राशि देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी और मंत्री अभागी माँ व बच्चे की मार्मिक मौत पर चंद आंसू बहाने की रील बनवा कर अपनी संवेदना प्रकट करने का नाटक कर रहे हैं लेकिन इस और ऐसे ही तमाम हादसों के मूल में छिपी अक्षम्य लापरवाही और अव्यवस्था के जिम्मेदार लोग कभी सामने नही आएंगे नहीं उनको उनके अपराध के लिए दंडित किया जाएगा। यही सिस्टम है इसमें कसूरवार साफ बच जाता है और अगले हादसे का इंतजार किया जाता है। इस व्यवस्था पर सिर्फ अफसोस किया जा सकता है।

नजरिया

बदलती जलवायु का संकट और उसका प्रभाव

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

जलवायु संकट आज मानव सभ्यता के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। यह संकट धीरे धीरे नहीं बल्कि तेजी से गहराता जा रहा है और इसके प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। वैश्विक स्तर पर तापमान में वृद्धि, वर्षा के पैटर्न में बदलाव, सूखा और बाढ़ जैसी चरम घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। इस पूरे परिदृश्य में एल नीनो जैसी प्राकृतिक घटना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो समुद्री तापमान में बदलाव के कारण वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करती है और कई देशों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आती है। एल नीनो एक ऐसी जलवायु प्रक्रिया है जो सामान्यतः 2 से 7 वर्षों के अंतराल पर उत्पन्न होती है और प्रशांत महासागर के मध्य तथा पूर्वी हिस्से के जल को सामान्य से अधिक गर्म कर देती है। इस गर्माहट का प्रभाव केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह वायुमंडलीय परिसंचरण को भी प्रभावित करता है, जिससे पूरी दुनिया के मौसम में असामान्य परिवर्तन देखने को मिलते हैं। भारत जैसे देशों में इसका सबसे बड़ा प्रभाव मानसून पर पड़ता है, जो कृषि और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आंकड़ों के अनुसार 1980 के बाद से लगभग 70 प्रतिशत एल नीनो वर्षों में भारत में कमजोर मानसून दर्ज किया गया है, जिससे वर्षा में कमी देखी गई है । यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि एल नीनो और मानसून के बीच गहरा संबंध है। जब मानसून कमजोर होता है तो इसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर पड़ता है। भारत की लगभग 50 प्रतिशत कृषि भूमि वर्षा पर निर्भर है, इसलिए थोड़ी सी भी कमी खाद्यान्न उत्पादन को प्रभावित कर सकती है।

वर्ष 2026 में भी इसी तरह की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा हो सकती है, जिससे खरीफ फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है । यदि वर्षा में कमी आती है तो धान, दाल और तिलहन जैसी फसलों का उत्पादन घट सकता है, जिससे खाद्य कीमतों में वृद्धि होगी और महंगाई बढ़ेगी। यह प्रभाव केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा। तापमान के संदर्भ में भी स्थिति चिंताजनक है। 2026 में भारत के कई हिस्सों में तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जो सामान्य से काफी अधिक है। यह न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। अत्यधिक गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हो रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि वहां कंक्रीट संरचनाएं गर्मी को अधिक समय तक बनाए रखती हैं।

समाधान के संदर्भ में यह आवश्यक है कि वैश्विक और स्थानीय स्तर पर ठोस कदम उठाए जाएं। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, जल संरक्षण के उपाय अपनाना, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना और वनों की रक्षा करना ऐसे कदम हैं जो इस संकट को कम करने में मदद कर सकते हैं।

जल संकट भी इस पूरे परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब वर्षा कम होती है तो जलाशयों में पानी का स्तर घट जाता है, जिससे पेयजल और सिंचाई दोनों प्रभावित होते हैं। कई शहरों में पहले से ही पानी की कमी की समस्या है और एल नीनो जैसी घटनाएं इसे और बढ़ा सकती हैं। उदाहरण के लिए कुछ क्षेत्रों में जलाशयों की क्षमता का केवल लगभग 28 प्रतिशत पानी ही उपलब्ध है, जो भविष्य के लिए चिंता का विषय है। वैश्विक स्तर पर भी इसके प्रभाव कम नहीं हैं। एशिया में तापमान बढ़ने से बिजली की मांग तेजी से बढ़ती है क्योंकि लोग ठंडक के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं। इससे ऊर्जा संकट की स्थिति पैदा हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार एशिया में वैश्विक बिजली मांग का आधे से अधिक हिस्सा है और तापमान में वृद्धि से इस मांग में और वृद्धि होगी। दूसरी ओर, कुछ क्षेत्रों में अधिक वर्षा और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे वहां के बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचता है।

एल नीनो के कारण मौसम में असंतुलन केवल वर्षा की कमी तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह वर्षा के वितरण को भी प्रभावित करता है। कहीं अत्यधिक बारिश होती है तो कहीं बिल्कुल नहीं होती। इस प्रकार की असमानता कृषि और जल प्रबंधन दोनों के लिए चुनौती पैदा करती है। वैज्ञानिकों के अनुसार हाल के दशकों में चरम वर्षा की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर और अधिक गंभीर हो रही हैं। जलवायु परिवर्तन और एल नीनो का संयुक्त प्रभाव इस संकट को और जटिल बना देता है। जहां एल नीनो एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, वहीं जलवायु परिवर्तन मानव गतिविधियों का परिणाम है। औद्योगीकरण, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है, जिससे पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जब यह बढ़ता तापमान एल नीनो जैसी घटनाओं के साथ मिल जाता है तो इसके प्रभाव और भी तीव्र हो जाते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी यह संकट गहरा असर डालता है। कमजोर मानसून के कारण कृषि उत्पादन घटता है, जिससे ग्रामीण आय में कमी आती है और मांग घटती है। इसके साथ ही खाद्य कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमजोर मानसून और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव आर्थिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है और सामाजिक असमानताओं को बढ़ा सकता है । इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो पहले से ही कमजोर स्थिति में हैं, जैसे छोटे किसान, मजदूर और गरीब वर्ग। उनके पास संसाधनों की कमी होती है और वे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में सक्षम नहीं होते। इसलिए जलवायु संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी मुद्दा है।

समाधान के संदर्भ में यह आवश्यक है कि वैश्विक और स्थानीय स्तर पर ठोस कदम उठाए जाएं। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, जल संरक्षण के उपाय अपनाना, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना और वनों की रक्षा करना ऐसे कदम हैं जो इस संकट को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करना और आपदा प्रबंधन की तैयारी को बेहतर बनाना भी जरूरी है। अंततः यह स्पष्ट है कि जलवायु संकट एक बहुआयामी समस्या है, जिसमें प्राकृतिक और मानव दोनों कारक शामिल हैं। एल नीनो जैसी घटनाएं इस संकट को और अधिक जटिल बना देती हैं, लेकिन यह भी सच है कि यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाएं तो इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इस समस्या को गंभीरता से समझें और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वर्क-लाइफ बैलेंस जेंगा जैसा, थोड़ा सा बदलाव सब बिगाड़ देता है: अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा ने वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर कहा कि काम और निजी जीवन के बीच सही संतुलन बनाना हमेशा संभव नहीं हो पाता। उन्होंने इसकी तुलना जेंगा के खेल से की और कहा कि अगर थोड़ी लापरवाही हो जाए तो सब कुछ बिगड़ जाता है। अदा शर्मा ने से बातचीत में कहा कि आज के समय में सही तरीके से काम और निजी जिंदगी के बीच बैलेंस बनाना आसान नहीं है। उन्होंने इसे एक उदाहरण देकर समझाया और कहा, जब भी मैं अपना शेड्यूल बैलेंस करने की कोशिश करती हूं, तो वो जेंगा टावर जैसा लगने लगता है। बस एक और शूट जुड़ता है और सब कुछ डगमगा जाता है। उनका कहना है कि परफेक्ट बैलेंस के पीछे भागने के बजाय वह दिन को हल्के-फुल्के अंदाज में जीने पर ध्यान देती हैं। छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढना और खुद पर ज्यादा दबाव न डालना ही उनका तरीका है।

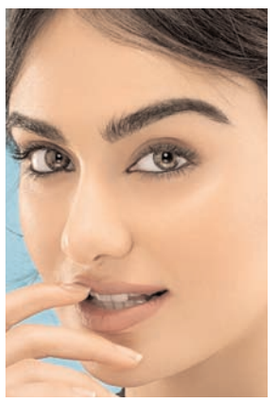

अदा ने आगे कहा, मैंने समझ लिया है कि मैं परफेक्ट बैलेंस में अच्छी नहीं हूं, लेकिन इतना जरूर कर लेती हूं कि पूरी तरह टूट न जाऊं। कई बार पांच घंटे की नींद को भी मैं सेहतमंद मान लेती हूं और दिन आराम से निकाल लेती हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगर वह समय पर शूट पूरा कर लें, हंस लें, समय पर खाना खा लें और फोन कहां रखा है यह याद रहे, तो उनके लिए वही एक सफल दिन होता है। उनके मुताबिक, छोटी-छोटी जीत ही असली वेलनेस हैं।

काम की बात करें तो 33 वर्षीय अभिनेत्री अदा शर्मा को हाल ही में फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित बताई जाती है, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक हैं। फिल्म में अनुपम खेर, इक्षाक सिंह और ईशा देओल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए। अब अदा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मनोज बाजपेयी भी होंगे। यह फिल्म 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर रहे एस. वेंकटरमणन के समय से प्रेरित बताई जा रही है, हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इस फिल्म को सनशाइन पिक्चर्स ने प्रेजेंट किया है और इसका निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। इसे विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है और यह 12 जून को रिलीज होने की उम्मीद है।

जिम्मेदारियों के बीच कहीं खो गई थी पहचान, अब फिर से खुद को पा रही हूं: सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ से दूर अपने निजी जीवन और मानसिक सुकून पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जीवन के उतार-चढ़ाव, मानसिक शांति और अपने पुराने दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घर पर एक सोफे पर हाथ में किताब लिए हुए बैठी हुई हैं। अभिनेत्री ने लिखा, एक महिला के तौर पर हम अक्सर घर बनाने और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि खुद को ही भूल जाते हैं। ठीक होने की प्रक्रिया कभी शोर-शराबे वाली नहीं होती न ही कोई बड़ी जीत लेकर आती है, बल्कि कभी-कभी यह बस एक शांत दिन और एक गहरी सांस लेने के बारे में होती है। सेलिना जेटली ने बताया कि उनके लिए ठीक होने का मतलब अपनी उस पुरानी पहचान को फिर से पाना है, जिसे वह कहीं पीछे छोड़ आई थीं। उन्होंने लिखा, मैं अब एक ऐसी लड़की की ओर वापस लौट रही हूं, जो मैं असल में हूं। अपनी ताकत, अपनी आवाज और अपनी हिम्मत को फिर से हासिल करना ही मेरे जीवन का लक्ष्य है।

अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट पर पालतू कुत्ते का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, शादी के बाद मैं अपने सारे कुत्तों को पीछे छोड़ आई थी। उस बिछड़ने का दर्द कई वर्षों से मेरे दिल में चुपचाप बसा हुआ है। शायद किसी दिन मुझे फिर से एक छोटा सा कुत्ता मिल जाए। सेलिना ने आखिर में बताया कि फिलहाल वे अपनी शांति एक कप कॉफी, अपनी पसंदीदा किताब और 'बनी पजामा' में बिताए गए वक्त में ढूंढ रही हैं। उन्होंने बताया, मैं अभी नालंदा की खुदाई पर आधारित एक किताब पढ़ रही हूं और छोटे-छोटे पलों के जरिए खुद को बेहतर बना रही। सेलिना जेटली ने 'जानशीं' से बॉलीवुड में शुरुआत की थी और 'नो एंट्री' व 'गोलमाल रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में काम किया।

पूजा

पश्चिम बंगाल के नतीजों की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा समर्थकों ने जीत के लिए प्रार्थना की।

खरीददारी

गर्मी के मौसम में सांबा में रविवार को एक दुकान पर मिट्टी का बर्तन खरीदती हुए एक महिला।

एम टीवी स्प्लिट्सविला के कंटेस्टेंट जलाक गोहिल और कायरा अनु मुंबई में रियलिटी शो स्प्लिट्सविला की सक्सेस पार्टी में शिरकत की।

तंजानिया में खेती कर रहे हैं हरियाणा के किसान, उद्यमियों के लिए भी बड़े अवसर

चंडीगढ़/भाषा। तंजानिया में खेती करना और व्यवसाय करना हरियाणा के लोगों के लिए आकर्षक बन गया है, क्योंकि राज्य सरकार केंद्र के साथ मिलकर इस देश के साथ व्यापारिक संबंधों का विस्तार कर रही है। हरियाणा सरकार तंजानिया में निवेश के अवसरों को बढ़ाने पर जोर दे रही है, जिसके बाद यहां के किसानों और उद्यमियों ने भी इस पूर्वी अफ्रीकी देश के बाजारों में अवसरों की तलाश शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों को कृषि उद्यम करने में सक्षम बनाने के लिए हरियाणा सरकार ने केंद्र के समर्थन से तंजानिया में एक लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार सैनी ने कहा कि अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार सहयोग का लगातार विस्तार किया जा रहा है, जिसमें खनन, प्लाईवुड, कृषि और आईटी जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भिवानी के पास दादरी के रहने वाले सोमवीर घासोला उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने तंजानिया में जमीन खरीदी है। घासोला (58) ने तंजानिया की राजधानी डोडोमा के पास खनन व्यवसाय भी स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि यह अफ्रीकी देश बहुत सस्ती दरों पर उपजाऊ भूमि उपलब्ध कराता है, जो सभी प्रकार की फसलों को उगाने के लिए उपयुक्त है। वैश्विक बाजारों तक पहुंच भी उपलब्ध है, जो इस व्यावसायिक उद्यम को अधिक व्यावहारिक बनाती है।

घासोला ने जमीन के एक बड़े हिस्से के बारे में कहा कि यह चावल, गन्ना, काजू और अन्य फसलें उगाने के लिए उपयुक्त है।

हरियाणा के यमुनानगर के एक उद्यमी शिव कुमार कंबोज (49) ने कुछ महीने पहले तंजानिया में एक चीनी नागरिक से एक कारखाना अधिग्रहित किया था और अब वह लाभदायक उद्यम चला रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम तंजानिया के कारखाने में कच्चा माल तैयार करते हैं। उसे यहां लाते हैं और अपने लिए उपयोग करते हैं तथा प्लाईवुड व्यवसाय के अन्य उद्यमियों को भी देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हरियाणा सरकार का विदेशी सहयोग विभाग हमारी सहायता कर रहा है। मैं लगभग तीन साल पहले तंजानिया गया था। पिछले साल मैंने वहां एक कारखाना खरीदा था... वहां के लोग और सरकार बाहें फैलाकर हमारा स्वागत करते हैं।''

नेपाल सरकार ने 'राजनीति से प्रेरित' करीब 1500 नियुक्तियों को रद्द किया : रिपोर्ट

काठमांडू/भाषा। नेपाल की नई सरकार ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के माध्यम से एक व्यापक अध्यादेश जारी कर 1,500 से अधिक प्रमुख सार्वजनिक नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक, ये नियुक्तियां 26 मार्च से पहले सत्ता परिवर्तन से पहले की गई थीं।

बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने पांच मार्च को हुए चुनावों में देश के पारंपरिक राजनीतिक दलों के खिलाफ भारी विरोध का फायदा उठाते हुए सत्ता हासिल की। यह आम चुनाव सितंबर 2025 में 'जेनरेशन जेड' (1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों के लिए प्रयुक्त शब्द) विरोध प्रदर्शनों और केपी ओली की सरकार का पतन होने के कुछ महीनों बाद हुआ।

काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शनिवार को मंत्रिमंडल की सिफारिश पर ''सार्वजनिक पद धारकों को हटाने के लिए विशेष प्रावधानों पर अध्यादेश, 2083'' जारी किया।

मुंबई में हर कदम पर खलती है तुम्हारी कमी खलती है : गौहर खान

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री निगार खान शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर उनकी छोटी बहन गौहर खान ने सोशल मीडिया के जरिए बहन के प्रति प्यार जाहिर करते हुए एक बेहद इमोशनल पोस्ट किया। गौहर ने इंस्टाग्राम पर निगार का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दोनों बहनों के साथ बिताए गए पल शामिल हैं। इस वीडियो के साथ गौहर ने बहन के लिए नोट लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि वह मुंबई में अपनी बहन की कमी को हर कदम पर महसूस करती हैं। गौहर ने अपनी ने लिखा, मेरी प्यारी निक्स। मुझे समझ नहीं आता कि मैं मुंबई में तुम्हारे बिना कैसे रह रही हूं, जब भी मैं गाड़ी चलाती हूं, तो मुझे हमारे साथ में बिताए गए मस्ती भरे पल याद आते हैं। पानी-पूरी खाते वक्त या शॉपिंग करते वक्त मुझे हमेशा तुम्हारी कमी खलती है। गौहर ने मजाकिया अंदाज में बताया कि कैसे वे और निगार रेस्टोरेंट का बिल देने के लिए लड़ते रहते थे। उन्होंने लिखा, सोचती हूं, कैसे हम टीनएज में हर बात पर लड़ते थे और फिर एक समय ऐसा आया कि तुम्हारे बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकती। गौहर ने आगे लिखा, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। ये लिखते-लिखते मेरी आंखों में आंसू आ गए, क्योंकि तुम्हें सोचकर दिल भावनाओं से भर जाता है। ईश्वर की कृपा से मेरे पास सबसे अच्छे भाई-बहन हैं, लेकिन किसने सोचा था कि तुम ही मुझसे सबसे दूर रहोगी। उन्होंने आखिरी में लिखा, मेरी मेहनती और हमेशा आगे बढ़ने वाली बहन को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।

पूजा भट्ट ने फिल्म 'पहला नशा' का पोस्टर किया शेयर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और फिल्म-निर्माता पूजा भट्ट ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1993 में आई फिल्म 'पहला नशा' से जुड़ी यादें शेयर करते हुए एक पोस्टर शेयर किया है। पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म का पुराना पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनके साथ दीपक तिजोरी और रवीना टंडन के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टा पोस्ट पर लिखा, दीपक तिजोरी देखो मुझे क्या मिला। इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग 'पहला नशा' भी लिखा। बता दें कि फिल्म 'पहला नशा' 13 अगस्त 1993 को रिलीज हुई थी। निर्माता आशुतोष गोवारिकर की यह पहली निर्देशित फिल्म थी, जिन्होंने लगान, स्वदेश और जोधा अकबर जैसी फिल्में बनाई है। इस फिल्म का निर्माण मोहम्मद ए. रहीम और वायरल शाह ने अहलान प्रोडक्शंस के बैनर तले किया था। हालांकि फिल्म 'पहला नशा' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।

खबरों के मुताबिक, यह फिल्म ब्रायन डी पाल्मा की फिल्म 'बॉडी डबल' से प्रेरित थी। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म का शीर्षक कल्ट क्लासिक फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' के गीत 'पहला नशा' से लिया गया था। इस फिल्म में आमिर खान, शाहरुख खान, सैफ अली खान, जूही चावला और राहुल रॉय ने भी यादगार कैमियो भूमिकाएं निभाईं।

पूजा भट्ट की बात करें तो एक्ट्रेस 'दिल है कि मानता नहीं', 'सड़क', 'सर' और 'जख्म' जैसी फिल्मों से उन्हें पहचान मिली। वहीं, दीपक तिजोरी को 'जो जीता वही सिकंदर', 'कभी हां कभी ना' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों से पहचान मिली। एक्ट्रेस रवीना टंडन की बात करें तो, 'मोहरा', 'दिलवाले', 'अंदाज अपना-अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी फिल्मों से अपनी एक अलग पहचान बनाई।

सरबजीत की पुण्यतिथि पर छलका रणदीप हुड्डा का दर्द, बोले- कुछ किरदार फिल्म के साथ खत्म नहीं होते

मुंबई/एजेन्सी

सरबजीत सिंह की पुण्यतिथि पर अभिनेता रणदीप हुड्डा ने मंगलवार को इंस्टाग्राम के जरिए उनके लिए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सरबजीत के लिए एक नोट शेयर किया। उन्होंने इसके जरिए सरबजीत के साहस और उनके परिवार के संघर्ष को नमन किया है। रणदीप हुड्डा ने लिखा, सरबजीत की कहानी ने मेरी पूरी जिंदगी और नजरिए को बदल कर रख दिया, जिस काम की शुरुआत महज एक फिल्म की तैयारी के तौर पर हुई थी, तो वह धीरे धीरे मेरे लिए एक गहरा और व्यक्तिगत अनुभव बन गया। अभिनेता ने बताया कि सरबजीत का किरदार निभाते समय उन्होंने उस दर्द, खामोशी और हिम्मत को महसूस किया, जिससे सरबजीत सालों तक गुजरे थे।

रणदीप हुड्डा ने अपनी इस पोस्ट में सरबजीत की बहन दलवीर कौर और पत्नी सुखप्रीत को भी याद किया। रणदीप हुड्डा ने लिखा, इन दोनों महिलाओं ने सरबजीत को न्याय दिलाने के लिए पूरी दुनिया से लड़ाई लड़ी। हालांकि, अब ये दोनों ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन इनका साहस हमेशा मिसाल रहेगा। अभिनेता ने संतोष व्यक्त करते हुए लिखा, सरबजीत, आपकी यादें आज भी आपकी बेटियों स्वप्नदीप और पूनम के जरिए जिंदा हैं, जो आज अपने परिवार के साथ एक अच्छी और सुकून भरी जिंदगी जी रही हैं। इसमें शायद एक शांत सा सुकून है, जो हर उस परिवार को मिलना चाहिए जिसने इतना दर्द सहा हो। उन्होंने लिखा कि इतना दर्द सहने के बाद हर परिवार को ऐसा ही सुकून मिलना चाहिए।

रणदीप हुड्डा ने सरबजीत को सम्मान देते हुए लिखा, कई साल बीत गए, लेकिन आपकी कहानी आज

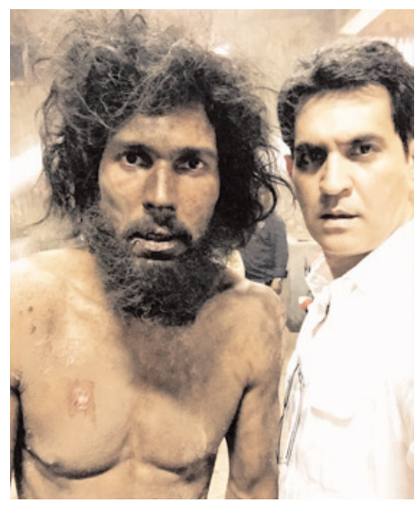

भी मेरे साथ है। कुछ किरदार फिल्म के साथ खत्म हो जाते हैं, लेकिन आप कभी नहीं गए। आज आपको सम्मान और भारी दिल के साथ याद कर रहा हूं। आप हमेशा याद रहेंगे। 'ऊं शांति'। 2016 की फिल्म 'सरबजीत' में रणदीप हुड्डा ने मुख्य भूमिका (सरबजीत सिंह) निभाई थी, जो पाकिस्तान की जेल में बंद एक भारतीय किसान की सच्ची कहानी पर आधारित है। सरबजीत की बहन दलबीर कौर, जिन्होंने अपने भाई को जेल से छुड़ाने के लिए लंबा संघर्ष किया, वे रणदीप की एक्टिंग से बहुत प्रभावित थीं और उन्हें वास्तविक भाई की तरह प्यार करती थीं। जून 2022 में दलबीर कौर के निधन के बाद, रणदीप हुड्डा ने मुंबई से पंजाब जाकर उनका अंतिम संस्कार किया था।

भजन और पार्टी के लिए एक साझा मंच है 'कीर्तन क्लबिंग': कविता पौडवाल

नई दिल्ली/भाषा

हफ़्ते भर बाहर का खाना खाने के बाद जब अंत में उसी सादे दाल-चावल की याद आती है न, वही चिर-परिचित स्वाद जिसे कोई चीज़ बदल नहीं सकती, बस कुछ वैसा ही अहसास है 'कीर्तन क्लबिंग'। मशहूर गायिका कविता पौडवाल इसे इसी सादगी से समझाती हैं। पौडवाल कहती हैं कि यह एक ऐसा मंच है जहां हमारी सदियों पुरानी भक्ति और आज के दौर का संगीत एक-दूसरे के गले मिलते हैं, और माहौल बिल्कुल किसी पार्टी जैसा बन जाता है।

यह एक ऐसा प्रारूप है जहां पारंपरिक भक्ति संगीत को आज के आधुनिक साजों के साथ पिरोकर एक 'पार्टी' जैसे माहौल में पेश किया जाता है। भारतीय युवाओं के बीच 'भजन क्लबिंग' की यही नई अवधारणा महज़ एक चलन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक बदलाव है। दशकों से भक्ति संगीत को जी रहीं कविता कहती हैं कि यह तो होना ही था। वह कहती हैं, कीर्तन क्लबिंग असल में एक ऐसा कोना है जहां आप कीर्तन करते हुए खुद को बहुत हल्का और खुश महसूस करते हैं। यहां आप पार्टी भी कर सकते हैं। यह घर के उस छोटे से हिस्से या घर की उस एक याद जैसा है जिसे हम भागदौड़ में पीछे छोड़ आए थे, लेकिन जिसकी तलाश हमें हमेशा रहती है। जैसे बाहर का चटपटा या 'जंक फूड' खाने के बाद आपका मन अंत में घर के सादे दाल-चावल के लिए ही मचलता है। आज की 'जेन-जेड़' पीढ़ी टेलर स्विफ्ट और के-पॉप (कोरियाई पॉप) की दीवानी है, और कविता इस बात को बखूबी समझती हैं। वह कहती हैं, ईश्वर ने चाहा तो हम भी किसी दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर का 'प्रोडक्शन' (संगीत) दे पाएंगे, पर फिलहाल हम कोशिश कर रहे हैं कि संगीत की रफ़्तार आज की हो, लेकिन उसकी रूह वही पुरानी कीर्तन वाली ही रहे। मशहूर पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल की बेटी होने के नाते कविता ने बचपन से ही मंच को करीब से देखा है।

अब वह अपनी इस विरासत को 'कीर्तन क्लब' के ज़रिए एक बिल्कुल नई शक्ल दे रही हैं। यह न तो कोई पारंपरिक सत्संग है और न ही शोर-शराबे वाली

क्लबिंग, बल्कि इन दोनों के बीच का एक सुनहरा रास्ता है। लेकिन क्या इस 'क्लबिंग' में पवित्रता बनी रहती है? इस पर कविता बड़ी बेबाकी से जवाब देती हैं, देखिए, बात चाहे जो भी हो, है तो यह कीर्तन ही। इसलिए इसकी मर्यादा सबसे ऊपर है। हम चाहते हैं कि यहां पूरा परिवार एक साथ आए। जब साथ में परिवार होता है, तो एक शालीनता खुद-ब-खुद आ जाती है, जो कि अच्छी बात है।

वह इस अंदाज़ को लोकतांत्रिक मानती हैं। कविता कहती हैं कि यह किसी औपचारिक 'कॉन्सर्ट' जैसा नहीं है जहां गायक और सुनने वाले के बीच एक दीवार हो, बल्कि यह उत्तर भारत के उस जगराते जैसा है जिसमें हर कोई शामिल होता है। वह पुरानी यादों में खोते हुए कहती हैं, मैं जगरातों के बीच ही पली-बढ़ी हूं। वहां जो जोश और शोर होता था, वह सबको अपने साथ बहा ले जाता था। भक्ति का मतलब सिर्फ शांत रहना नहीं, बल्कि जमकर उत्सव मनाना भी है। विदेशों में पढ़ाई या काम कर रहे भारतीय युवाओं में अपनी जड़ों की ओर लौटने की जो एक छटपटाहट दिखी है, उसने कविता को बहुत प्रभावित किया है। वह मानती हैं कि जब आप बाहर की दुनिया देख लेते हैं, तब आपको समझ आता है कि आपके भीतर का एक हिस्सा अपनी संस्कृति से मज़बूती से जुड़ा होना चाहिए। वह कहती हैं, आज के बच्चे हर बात के पीछे का 'क्यों' जानना चाहते हैं। वे पूछते हैं कि हमारी परंपराओं का आधार क्या है, और यकीन मानिए, जब उन्हें अपनी संस्कृति के इन सवालों के जवाब मिल जाते हैं, तो फिर वे अपनी जड़ों को इतनी मज़बूती से थाम लेते हैं कि उन्हें उस विश्वास से डिगाना नामुमकिन हो जाता है। कविता की योजना अब इसे देश के हर कोने में ले जाने की है। साल भर में 52 शो करने का बड़ा लक्ष्य लेकर वह निकल पड़ी हैं, जिसकी पहली झलक रविवार को मुंबई के जुहू में दिखेगी।

उनके पहले कार्यक्रम का मुख्य विषय है – 'उत्तर से दक्षिण तक कृष्ण'। इस बारे में वह कहती हैं, पूजा के ढंग, नाम या भाषा भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उस ऊपर वाले को पुकारने का जो भाव है, जो रूहानी अहसास है, वो तो हर जगह एक सा ही है। 'कीर्तन क्लबिंग' बस इसी एक पुकार को आज की लय में पिरोने की कोशिश है।

कांठा प्रांत संघ की महिला व युवा शाखा का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन संघ के तत्वावधान में संघ की महिला व युवा शाखा का गठन किया गया। पुष्कर भवन में सैकड़ों महिलाओं व युवाओं की उपस्थिति में आयोजित शाखा गठन समारोह की शुरुआत मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खिंवेसरा ने कहा कि आज का युवा व महिला वर्ग क्षमतावान है, अपनी सोच तथा विचारों के बल पर इस वर्ग ने नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि हम यह निश्चित कर रहे हैं कि इनकी क्षमता का उपयोग कांठा समाज की प्रगतिशीलता में करें। उन्होंने कहा कि महिला व युवा किसी भी संघ-समाज की रीढ़ होते हैं। संघ के प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल सुराणा ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देकर पेशेवर बनाएं। कार्याध्यक्ष अशोककुमार गुगलिया ने कहा कि आज कांठा प्रांत के नए युग की शुरुआत है, जिसके युवा व महिलाओं में प्रगति के शिखर को छूने का हुनर है। इस अवसर पर गौ सेवी महेंद्र मुणोत ने कहा कि अब समय आ गया है कि युवा समाज को तथा महिला रिवाज को बदले और वो विकास, सुधार व सेवा के कार्य नीति व साफ नियत से करे। ङ्कसंघ के महामंत्री हंसराज मुणोत ने संचालन करते हुए युवाओं व महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिए एक काव्य पाठ किया। उन्होंने कहा कि संघ के मार्गदर्शन में युवा शाखा और महिला शाखा को गठित करने का मुख्य मकसद है संस्कारों और स्वावलंबन की यह विरासत हमेशा सुरक्षित और विकसित रहें। सरिता खिंवेसरा व सुनीता गांधी ने कहा कि महिला आत्मनिर्भरता की प्रतीक है और जब भी महिला को अवसर मिला तब उसने अपनी प्रतिभा का उच्च प्रदर्शन किया है। इसके अलावा वर्षा गुगलिया, हितेश गुगलिया, संकेश लुनिया आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के अध्यक्ष खिंवेसरा ने महावीर गुगलिया को युवा शाखा का अध्यक्ष, महावीर गुंदेचा को महामंत्री, प्रियंका कोटरिया को महिला शाखा की अध्यक्ष व पूजा गुगलिया को महामंत्री मनोनीत किया। महामंत्री हंसराज ने संयोजक सुरेंद्र गुंदेचा, महावीर गुगलिया तथा सह संयोजक भरत गांधी एवं लक्ष्मीचंद चणोदिया को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रचार प्रसार मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने धन्यवाद दिया।

पुष्कर भवन में ज्ञान व संस्कार प्रदान करने 'समकित संस्कार शिविर' का हुआ शुभारंभ

डॉ. समकित मुनि ने सान्निध्य में हो रहा है यह आठ दिवसीय शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र में बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में रविवार को आठ दिवसीय 'समकित संस्कार शिविर' का शुभारंभ नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। शिविर के प्रथम दिन देशभर से आए सैकड़ों बच्चों एवं स्थानीय श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति थी। बच्चों का उत्साह, उमंग और अनुशासन इस आयोजन की विशेष पहचान रहा।

जीवन को व्यवस्थित बनाएं, अस्त-व्यस्तता से दूर रहें : डॉ. समकितमुनि

शिविर के उद्घाटन अवसर पर गुरुदेव डॉ. समकित मुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे आराध्य देव अरिहंत हैं, जो समस्त देवों के देव हैं। बाल्यकाल से ही हमें देव, गुरु और धर्म के प्रति गहन श्रद्धा रखनी चाहिए। नवकार महामंत्र की महिमा बताते हुए गुरुदेव ने कहा कि प्रातःकाल इसका स्मरण करने से दिव्य ऊर्जा प्राप्त होती है, जो मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता बढ़ाने का सूत्र देते हुए कहा कि अध्ययन से पूर्व ऊर्जा-पुरुषों का स्मरण करने से स्मरण शक्ति प्रखर होती है। गुरुदेव ने बच्चों को गुण संस्कार देते हुए कहा कि अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित रखें, प्रत्येक वस्तु को उसके स्थान पर रखें। अस्त-व्यस्त जीवन कभी न जिएं और जीवन को श्रेष्ठ कार्यों से सजाएं।

बच्चों के चरित्र निर्माण का आधार हैं संस्कार शिविर : साध्वी सिद्धमश्री

साध्वीश्री सिद्धमश्री ने कहा कि संस्कार शिविर केवल आयोजन नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण का आधार हैं। यह जीवन को सही दिशा देते हैं और सही दिशा मिलने पर जीवन कभी भटकता नहीं। उन्होंने विनय, विवेक और करुणा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि गुरु जीवन को संवारते हैं, विनय हमें ऊंचाई तक ले जाता है। सभी जीवों के प्रति दया रखें और स्वार्थ से दूर रहकर सभी को साथ लेकर चलें। कार्यक्रम के दौरान जयवंतमुनिजी ने मधुर स्वर में गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रथम दिवस पर बच्चों का पंजीकरण किया गया तथा लालचंद जैन द्वारा शिविर की दिनचर्या एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिदिन प्रातः प्राणायाम, योग, आगम अध्ययन, काव्य-पाठ एवं विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। विशेष रूप से 'जल बचाओ अभियान' के अंतर्गत बच्चों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

बच्चों के जीवन निर्माण में ज्ञान और संस्कार आवश्यक : महेन्द्र मुणोत

इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन निर्माण में ज्ञान और संस्कारों की आवश्यकता होती है। जिस बच्चे को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य, अनुशासन, विनम्रता और करुणा का संस्कार मिलता है, वही आगे चलकर एक श्रेष्ठ व्यक्ति और आदर्श नागरिक बनता है। चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 18 श्रावक परिवारों ने लाभार्थी के रूप में सहयोग प्रदान किया। इस शिविर के शुभारंभ में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाश बेताला, अशोक रांका, गुलाबचंद पगारिया तथा शिविर संयोजक शांतिलाल भंडारी एवं रमेश सिसोदिया आदि उपस्थित थे। इस मौके पर ज्येष्ठ पुष्कर भवन अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, महामंत्री महावीरचंद मेहता, चेतनप्रकाश डूंगरवाल, पदमराज मेहता, मोहनलाल अख़ावत, मीठालाल लोढ़ा, राजेंद्र मरलेचा, महेंद्र मेहता, जम्बुकुमार दुग्गड़, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश छल्लानी, प्रांतीय महामंत्री नेमीचंद दलाल, किशोरकुमार दलाल, रमेश बोहरा, विकास कोठारी, आशीष भंसाली सहित अनेक युवा व युवतियों की उपस्थिति थी। चातुर्मास समिति के युवा अध्यक्ष प्रदीप कांटेड व उनकी टीम ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। भोजन व्यवस्था में त्यागराजनगर युवा टीम ने सेवा दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी जात्रा

बेंगलूरु के स्वामी विवेकानंद युवक संघ एवं मुनेश्वरा स्वामी देवस्थान ट्रस्ट बापूजी नगर के संयुक्त तत्वावधान में बापूजी नगर में नगर देवता अणम्मा देवी जात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दादा गुरु इकतीसा पाठ

संतश्री मलयप्रभसागरजी की निश्रा में विमलनाथ जैन एवं दादावाड़ी में जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ युवा परिषद द्वारा बुद्धपूर्णिमा पर दादागुरुदेव इकतीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर गुरुभक्तों व खरतरगच्छ युवा परिषद के सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति दी। अरविन्द चौपड़ा और जीतू झाबक ने संगीतमय ढंग से गुरु इकतीसा का पाठ करवाया और भजनों की प्रस्तुदि दी।

अनुभवों से सीखने की कला ही जीवन की सफलता का मंत्र है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट्। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में एमजे नगर में आयोजित कार्यशाला के तीसरे चरण में 'इतिहास में जैन व बौद्ध परंपरा का अवदान' विषय पर बोलते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि इतिहास से सीख लेनी चाहिए। इतिहास प्रेरणाएं भी देता है और कड़े सबक भी सिखाता है। जो मनुष्य अतीत से शिक्षा नहीं लेता वो गलतियों को दोहराता चला जाता है। अनुभवों से सीखने की कला ही जीवन की सफलता का मंत्र है। इतिहास में लोगों ने जो गलतियां की हैं, वे हम अपने जीवन में न दोहराएं तथा अतीत में जो अच्छे कार्य हुए हैं, उन्हें हम आगे बढ़ाएं, ये दो महत्वपूर्ण तथ्य ही समाज को सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित बनाते हैं। आज भारतीयों को गलत इतिहास पढ़ाया जा रहा है। देश और संस्कृति विरोधी शक्तियों ने झूठा इतिहास लिखा है। नई पीढियां इससे भ्रमित हो रही हैं। उनका आत्मगौरव समाप्त हो रहा है। ऐसा करके हमारे पूर्वजों के बलिदानों को निरर्थक सिद्ध करने की कोशिशें हो रही हैं। ज्ञातव्य है कि संस्कृति और परंपराएं इतिहास के बिना कभी जीवंत नहीं रहती।ङ्क जैनाचार्य ने कहा कि बौद्ध चीनी यात्री हुएन सांग (युआन च्वांग) ताशकंद, समरकंद होते हुए ईस्वी सन् 630 में राजा हर्ष के शासनकाल में भारत आया था। उसने निरंतर पंद्रह वर्षों तक भारत के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया था। यहां से लौटते समय वह अपने साथ बहुत सारी ऐतिहासिक सामग्री भी लेता गया। उसके भारत यात्रा के अनुभवों की पुस्तक प्रकाशित हुई है। सी-यू-की नामक इस पुस्तक में उसने तत्कालीन भारतीय समाज की व्यवस्थाओं का विचारणीय निरूपण किया है। उस काल की अपनी सामाजिक व्यवस्थाओं का इतिहास जानकर हम सभी को प्रेरणाएं लेनी चाहिए। साथ ही अपने समाज की विषमताओं, कमजोरियों और कुरीतियों को दूर करने का संकल्प भी लेना चाहिए।ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हुएन सांग ने अपनी पुस्तक में यह उल्लेख किया है कि भारतीय समाज अनेक जाति-वर्गों में विभाजित है। यहां राजा सभी क्षत्रिय हैं, ब्राह्मणों को पूज्य माना जाता है, वैश्यों को मान-सम्मान मिलता है। ये सभी गांवों-शहरों में अपनी बस्तियां बनाकर रहते हैं। क्षुद्रों को यहां अछूत समझा जाता है,उन्हें बस्तियों के बीच रहने का अधिकार नहीं है, वे गांवों के बाहर अपनी अलग बस्तियां बनाकर रहते हैं। वे बहिष्कृत और गौरवहीन जिंदगी जीते हैं।

हुएन सांग आगे लिखता है कि भारत में अंतर्राजातीय विवाह नहीं होते हैं। अधिकांश भारतीय शुद्ध आहार करते हैं। वे प्याज, लहसुन, अंडे, मांस आदि नहीं खाते। इन बातों को पढ़कर हर समझदार भारतीय को सोचना चाहिए कि जीवन की पवित्रता, महत्ता और मानवता के दृष्टिकोण से वर्तमान समाज में कौन-कौन से सकारात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है। प्रवास संयोजक रमेश वेदमूथा ने कहा कि सोमवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी एवं श्रमणजन होसपेट से हैदराबाद वर्षावास के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रस्तावित सालासर बालाजी मंदिर में गूंजी सुन्दरकाण्ड की चौपाइयां

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की रांका कॉलोनी में सालासर सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर मंदिर में वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से संगीतमय सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सालासर बालाजी की झांकी के सामने विशेष पूजा कर ज्योत प्रज्वलित की गई। ततपश्चात पंडित शम्भुदयाल पारीक द्वारा संगीतमय ढ़ंग से सुन्दरकाण्ड पाठ का वाचन किया साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं ने पाठ को दोहरा कर पाठ किया। पाठ के बीच बीच में भजनों की भी प्रस्तुति दी गई।

अंत में महाआरती व प्रसाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने प्रत्येक पूर्णिमा को होने वाले सुंदरकांड पाठ के लाभार्थियों को धन्यवाद दिया। समिति के उपाध्यक्ष सतीश मित्तल सहित बड़ी संख्या में हनुमान भक्त उपस्थित थे।

डायग्नोस्टिक सेंटर में नई एक्सरे मशीन और डेंटल चेयर का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा दक्षिण भारत का प्रथम युवालोक का शुभारंभ व आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर पीजी हल्ली के स्थानांतरण के साथ नई एक्स-रे मशीन एवं डेंटल चेयर का विधिवत लोकार्पण कार्यक्रम तेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर वर्ष 2025-26 के सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने संचालन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

गुंबदों में क्या धरा है

इन लरजते गुंबदों में क्या धरा है।
वो नहीं बिकता यहाँ पर जो खरा है।

चूमते हैं लोग सूखी टहनियों को ,
वो बहिष्कृत है चमन में जो हरा है ।

हम सितमगर को भी देते हैं नसीहत ,
जानते हैं वो किसी का मोहरा है।

उर्वरा ये भूमि है, सुनते रहे हैं ,
अंकुरित जो भी हुआ है वो मरा है।

आज खाली रहने वाले छलकते हैं ,
मौन वो रहता है, 'नवरंग' जो भरा है।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

केरल में नेताओं ने विधानसभा चुनाव परिणामों से पहले जीत का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में विभिन्न दलों के नेताओं और उम्मीदवारों ने चार मई को घोषित होने वाले विधानसभा चुनाव परिणामों से पहले जीत का भरोसा जताया। केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान नौ अप्रैल को हुआ था।

केरल के मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य भर में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ के लिए स्थिति अनुकूल है। कोझिकोड जिले के बेपोर से यूडीएफ समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार पी वी अनवर के खिलाफ चुनाव लड़े रियास ने कहा कि गठबंधन को उनके निर्वाचन क्षेत्र और राज्य भर में आसानी से जीत मिलेगी। उन्होंने कहा, ''बेपोर के साथ-साथ पूरे केरल में एलडीएफ को शानदार जीत मिलेगी।'' केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र (उत्तर परवूर) में मौजूद थे, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया और कहा कि वह परिणाम घोषित होने के बाद भी कुछ कहेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता वी मुरलीधरन ने कहा कि मतदाताओं की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि भाजपा नीत राजग के लिए समर्थन बढ़ रहा है। मुरलीधरन ने कझाकूटम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा है। मुरलीधरन का मुकाबला माकपा के मौजूदा विधायक के. सुरेंद्रन और कांग्रेस उम्मीदवार टी शरतचंद्र प्रसाद से है। उन्होंने कहा, ''हालांकि शुरू में यह मुकाबला त्रिकोणीय होने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में यह एलडीएफ और राजग के बीच की लड़ाई में बदल गया। इस निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का पलड़ा साफ तौर पर भारी है।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि यूडीएफ चुनाव में विजयी होगा। उन्होंने कहा, ''हमारा आकलन है कि कांग्रेस नीत यूडीएफ विजयी होगा।'' अरनमुला से चुनाव लड़े वरिष्ठ भाजपा नेता कुम्मनम राजशेखरन ने कहा कि पार्टी को इस सीट पर जीत का पूरा भरोसा है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को राज्य में अपना खाता खुलने की उम्मीद है। वट्टियूरकावु से उम्मीदवार कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें जीत का भरोसा है।

प्रिंस बने विश्व हिंदू परिषद की सेवा समिति के प्रमुख, मनीष बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद की राष्ट्रीय सेवा संवर्धन समिति, कर्नाटक बेंगलूरु केन्द्र के संचालन समूह की नई टीम का गठन किया गया है। इस टीम का उद्देश्य समाज सेवा के कार्यों को अधिक संगठित, सशक्त एवं प्रभावी बनाना है। समिति का शपथ ग्रहण समारोह 27 मई को विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा, राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में होगा। कर्नाटक बेंगलूरु केन्द्र के नवगठित टीम में अभिभावक के रूप में आनंद साबू, अनुराग अग्रवाल, सतीश मित्तल एवं विजय गोयल को दायित्व सौंपा गया है। प्रधान संवर्धक (प्रमुख) के रूप में प्रिंस जैन तथा सहप्रधान संवर्धक (सहप्रमुख) के रूप में विजय सर्राफ एवं मिथिलेश तिवारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेवा सारथी(सचिव) के रूप में मनीष मेहनसरिया तथा सहसेवा सारथी (सहसचिव) के रूप में मुरली अग्रवाल को पद दिया गया है। यह नई टीम कर्नाटक प्रान्त में यह समिति स्कूल, अस्पताल, छात्रावास, गोशाला एवं मंदिरों से जुड़े सेवा प्रकल्पों के उन्नयन और संचालन में सहयोग करेगी।

प्रिंस जैन एवं मनीष मेहनसरिया

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**